



संखित राजपत्र
१९९३

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 35] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 28, 1993 (भाद्रपद 6, 1915)
No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 28, 1993 (BHADRA 6, 1915)

इस राजपत्र में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिसमें कि यह उपर्याख संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेदन, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, विनांक 2 अगस्त 1993

सं. एस.बी.डी.क्र. 10/1993—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुरूपी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के गाथ विचार विभाग के बाद भारतीय स्टेट बैंक डा. डी. एम. गंगुनदणा के स्थान पर श्री एन. के. भट, “द्वारका”, 1685, 30 क्रास, 15वां मैन, बनाशंकरी, सेकण्ड स्ट्रीट, भंगलौर-560 070 को स्टेट बैंक आफ मैसूर के निवेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 2 अगस्त 1993 से 1 अगस्त 1996 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

हस्ताक्षर अपठनीय
अध्यक्ष

सं. एस.बी.डी.क्र. 11/1993—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुरूपी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (घ) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विभाग के बाद भारतीय स्टेट बैंक डा. बी. एच. ढोलकिया के स्थान पर श्री अमल दत्त धू, चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, “वात्सल”, 3, बाम्हन मित्र मंडल सोसायटी, भंगलदास रोड, एनिस ब्रिज, अहमदाबाद-6 को स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के निवेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 2 अगस्त 1993 से 1 अगस्त 1996 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

हस्ताक्षर अपठनीय
अध्यक्ष

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेबाकार संस्थान

बम्बई-400005, दिनांक 7 जुलाई 1993

सं. ३-डब्ल्यू. सी. ए. (५)/२०/९२-९३—इस संस्थान की अधिसूचना में, ३-डब्ल्यू. सी. ए. (४)/५/९२-९३ दिनांक १ दिसम्बर १९९२ और ३-डब्ल्यू. सी. ए. (४)/७/९२-९३ दिनांक २६ फ़रवरी १९९३ के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेबाकार विनियम १९८८ के विनियम २० के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम १९ द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेबाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके अंगे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है:—

क्र. सं.	सदस्यता सं.	नाम एवं पता	दिनांक
1. 14971	श्री देसाई अनुल हयंदराय	१-१०-९२	
	एफ. सी. ए. ०		
	१९ मालविया रोड		
	विले पारले इस्ट		
	बम्बई-४०० ०५७		
2. 4345	श्री बी. वेंकट विश्वेश्वरे राव	१-१०-९२	
	ए. सी. ए. ०		
	डॉ-१/२१ खीरा नगर		
	एस. बी. रोड सन्तकुञ्ज वेस्ट,		
	बम्बई-४०० ०५४		

ए० के० मजुमदार,
सचिव

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

कलकत्ता-७०० ०७१, दिनांक 26 जुलाई 1993

सं. ३-ई. सी. ए. (५)/१/९३-९४—इस संस्थान की अधिसूचना में, ३-एस. सी. ए. (४)/३/९२-९३ दिनांक २७ नवम्बर, १९९२, ३-ई. सी. ए. (४)/३/९२-९३ दिनांक २२ जनवरी, १९९३ और ४-ई० सी. ए. (१५)/८१-८२ दिनांक २५ फ़रवरी, १९८२, के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेबाकार विनियम, १९८८ के विनियम २० के अनुसरण ले एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम १९ द्वारा प्रबत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेबाकार संस्थान परिषद् ने अपने

सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके अंगे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है:—

क्र. सं.	सदस्यता सं.	नाम एवं पता	दिनांक
1. 13116	श्री कर श्योमकेष, ए. मी. ए., डिप्टी जनरल मैनेजर (फाइनैन्स), आई.डी.सी.आ०सउडीसीलि०, भुवनेश्वर-७५१ ००९	८-४-९३	
2. 14152	श्री जैन अरण कुमार, ३३, बुरतोल्ला स्ट्रीट, एफ. सी० ए० कलकत्ता-७०० ००७	१-१०-९२	
3. 51672	श्री मोहन जे., ए. सी० ए०, फाइनैन्शियल कंट्रोलर, अलधानिम इंडस्ट्रीज, पी. ओ. बैंक २२३, साफ्ट १३००३, कुवैत	१-१०-९२	
4. 52181	श्री रोय सुकदेब., एफ. सी० ए०, ७, नीलमोती दत्ता लेन, कलकत्ता-७०० ०१२	१-१०-९२	
5. 53726	मिस सिंह चेतना अव्याप्रसाद, ५-५-९३ ए० सी० ए०, एफ/७, गोफे मैसन २, सोलाय इंस्टर्ने रेलवे कोलोनी, गाँधन रीच, कलकत्ता-७०० ०४३	५-५-९३	
6. 54329	श्री केडिया गोपाल कुमार, १२-४-९३ ए० सी० ए०, केपर ओफ प्रनव कुमार किंविया, ग्राउंड फ्लोर, २०/२ बी. मोतीलाल बाइसीक लेन, कलकत्ता-७०० ०५४	१२-४-९३	

ए० के० मजुमदार,
सचिव

कानपुर-२०८००१, दिनांक 15 जून 1993

सं. ३/सी० सी० ए० (४) (२)/९३-९४—चार्टर्ड प्राप्त लेबाकार विनियम, १९८८ के विनियम १८ के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेबाकार अधिनियम, १९४९ की धारा २० उपधारा (१) (सी) धारा प्र३३ अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त

लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम निर्धारित शुल्क न जमा करने के कारण उनके आगे दी गयी तिथियों से हटा दिया है:—

क्र. सदस्यता सं०	नाम एवं पता सं०	दिनांक सं०
1. 026618	मि० ए० एम० सुन्दर, उषा रिस्टोरेंट कारपोरेशन इण्डिया लिमिटेड, यू० पी० एस० आई० डी० सी० रूचिस्ट्रियल एरिया, जिला नैनीताल, भीमताल-263136	1-10-92
2. 070407	प्रेम बिहारी माधुर, 15/247 ए, सिविल लाइस, कानपुर	1-10-92
3. 70148	श्री राजेन्द्र कुमार जैन, राजेन्द्र होटल बिल्डिंग, पालीभारतार (राज०)	1-10-92

ए० के० मजूमदार,
सचिव

सं० ३ सी० सी० ए० (4) (3)/93-94—खट्टर्झ
प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों प्राप्त लेखाकार अधिनियम, 1949 की धारा 20 (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चट्टर्झ प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गयी तिथियों से हटा दिया है:—

क्र. सदस्यता सं०	नाम एवं पता सं०	दिनांक
---------------------	--------------------	--------

1. 007735	मि० जगदीश प्रसाद श्रीवस्तव, 110, उषानगर कालोनी दशहरा मेदान रोड, इन्दौर	18-4-93
2. 028975	मि० आर० श्रीसेलम, रुम नं० 51, हास्टल 3 भैल, पिपलनी, भोपाल-462021	8-3-93
3. 016615	मि० प्रकाश चन्द्र मेहता, 2337, रामलाला स्ट्रीट, जोहरी बाजार, जयपुर-302003	24-12-92

ए० के० मजूमदार,
सचिव

केन्द्रीय भंडारण निगम
(भारत सरकार का उपक्रम)
नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1993

सूचना

सं० सी० डब्ल्यू० सी० /III-17/37/93-बी०, एप्प० सी०—केन्द्रीय भंडारण नियम नियमावली, 1963 के नियम 13 के अनुसरण में 11 अगस्त, 1993 से रिक्त होने वाले स्थान को भरने के लिए वेअरहाउसिंग कारपोरेशन अधिनियम, 1962 की धारा 7 की उपधारा 1 के खण्ड (झी) में विनियोग अंशधारियों के वर्ग में 14 जुलाई, 1993 को नियमित चुने गए निदेशक नाम तथा पता अधिसूचित किया जाता है:—

अंशधारियों का वर्ग निदेशक का नाम तथा पता
भारतीय स्टेट बैंक के श्री के० एम० नारायण,
अतिरिक्त अनुसूचित बैंक महा प्रबन्धक,
इण्डियन ओवरसीज बैंक
सन्ट्रल ऑफिस : पी०बी०न००
3765, 762, अबा सलाई,
मद्रास-600002

दिनांक 15 जून, 1993 को या पूर्व विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रकाशित चुनाव बैठक की सूचना के संदर्भ में वेअरहाउसिंग कारपोरेशन अधिनियम, 1962 की धारा 7 (1) (झी) के अधीन अंशधारी संस्थाओं को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्ग की अंशधारी संस्थाओं के निदेशक की रिक्ति को भरने के लिए 4 अगस्त, 1993 बुधवार, सायं तीन बजे केन्द्रीय भंडारण निगम के मुख्यालय, 4/1, सीरी इन्स्टीच्यूयनल एरिया, खेल गांव मार्ग, नई दिल्ली के बोर्ड कक्ष में चुनाव हेतु होने वाली बैठक रद्द कर दी गयी है चूंकि उपर्युक्त वर्ग की अंशधारी संस्थाओं के वर्ग के लिए केवल एक ही नामांकन अर्थात् श्री के० एम० नारायण इण्डियन ओवरसीज बैंक, मद्रास से प्राप्त हुआ है। इस नामांकन की अध्यक्ष द्वारा दिनांक 14 जुलाई, 1993 को छानबीन किए जाने पर इसे वैध पाया गया तथा उन्हें नियमित विधिवत् चुना गया घोषित किया गया है।

वेअरहाउसिंग अधिनियम, 1962 की धारा 7 (1) (झी) के अधीन स्टेट बैंक आफ इण्डिया के अलावा अधिसूचित बैंकों के अंशधारी संस्थाओं द्वारा श्री के० एम० नारायण दिनांक 11 अगस्त, 1993 से 2 वर्ष के लिए विधिवत् चुने गए, जिनका ड्यूरा नीचे दिया गया है:—

श्री के० एम० नारायण,
महा प्रबन्धक,
इण्डियन ओवरसीज बैंक,
सन्ट्रल ऑफिस,
पो० बाक्स नं० 3765,
762, अबा सलाई,
मद्रास-600002।

ए० वासुदेव
सचिव

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई विली, विनांक 3 अगस्त 1993

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/
2624—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बांग से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशबान या प्रीमियम की अदायगी किये जिन बीमा के रूप

में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोप सह-बहुध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकृत लाभों से अधिक बनकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) व्यावारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तभा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-II

क्र. सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक व सं.	छूट की समाप्ति तिथि	छूट आदाई के० भ० नि० आ० गई तिथि फा० सं०
1	2	3	4	5	6
1.	मै० सीरा अरुनाधलेशर्वर मिल्ज अरुनकराफ्ट हाऊस, टी०एन०/ वेनकेटेश मिल्ज पी० ओ० 642128 उदमत्त्रेट	6919	2/1959/ डी०एल०आई०/	28-2-90 28-2-93 21-9-90	1-3-90, 2/3091/90, 2/2334/91, 28-2-93 1-3-90, 2/95/78, 28-2-93
2.	मै० साउथ इंडिया स्टील इन्डस्ट्रीज, 110/1, बी० पी० बोक्स नं० 267 सेलम-636002	,/7429	—वही— 3-5-91	28-2-90 28-2-93	2/3116/90, डी० एल० आई०
3.	मै० सेलम स्टील प्लान्ट स्टील एथोरटी आफ इंडिया लि०	,/7694	—वही— 21-8-90	28-2-90 28-2-93	2/1723/88, डी० एल० आई०
4.	मै० मद्रास आष्टीजन एण्ड एसीट्रेलन कं० लि० थेकुपलायम (पोस्ट) पेरेयनेकेन पलायम, कोयम्बटूर-20	,/7945	—वही— 26-2-90	30-9-90 30-9-93	30-9-90, डी० एल० आई०
5.	साउथरन इंडिया मिल्स ऐणोसिये शन, पी०बी० नं० 3783 रेस क्रोस, कोयम्बटूर-641018	,/7997	—वही— 26-10-89	30-9-89 30-9-92	1-10-89, डी० एल० आई०
6.	मै० इती० रबर प्रोडक्शन लि० 1988 त्रिवि रोड, सिंगनादिस कोयम्बटूर-641005	,/8483	—वही— 31-10-90	1-11-90, 31-10-93	1-11-90, डी० एल० आई०
7.	मै० गांधी आश्रम, त्रिश्चागोडु, गांधी आश्रम पी० ओ० सेलम डिस्ट्रिक्ट पिन कोड नं०-636201 समिलनाडु ।	,/10177	—वही— 21-5-90	6-5-92 5-5-95	6-5-92, डी० एल० आई०
8.	मै० वेंकटेश लि० स्पिन्नरस (प्र०) लि० पैथायामापटटी, उत्तमलयर तालुक, कोयम्बटूर डिस्ट्रिक्ट ।	,/10247	—वही— 30-6-92	1-12-90, 30-11-93	1-12-90, डी० एल० आई०
9.	मै० सिरी रानी मिल्स (प्र०) लि० 2/38, चिन्नीपलपलायम, कोयम्बटूर-641062 ।	,/11102	—वही— 19-1-90	4-4-92 3-4-95	4-4-92 3-4-95
					2/1428/86, डी० एल० आई०

1	2	3	4	5	6
10.	मैं एन० रामू ब्रदर्स (इलेक्ट्रीकल) पो० बा० न० 3731, 10/224, अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-641018 (इसकी शब्दां मुझाई में भी स्थित)	टी० एन०/ 11223	2/1959/ 31-12-90 26-10-89 डी० एल० आई० ^{एक्स/}	1-1-91, 31-12-93 डी० एल० आई०	2/1462/90/
11.	मैं कोयम्बटूर पापुनर स्थानीयग मिल्स (प्रा०) लि०, त्रिची मैन रोड, पोतानालुर पोस्ट त्रिचुर तालुक, कोयम्बटूर इलेक्ट्रीक ।	,/12461	--वही-- 28-5-92	31-10-90 1-11-90, 31-10-93 डी० एल० आई०	2/1142/82/
12.	मैं य० एम० एस० मर्विस लि० 316 गोपाल वाग, अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-641018 ।	,/16387	--वही-- 28-5-90	30-4-91 30-4-94 डी० एल० आई०	2/2680/92/
13.	मैं अलाइट पोपिंग प्रोडक्ट्स (आई) प्रा० लि० प्लाट नं० 31 सिंगकोट इंडस्ट्रीयल कम्प्लेक्स लि० होम्पुर-635126 ।	,/16642	--वही-- 2-1-91	31-12-89 1-1-90, 31-12-90 डी० एल० आई०	2/3302/92/
14.	मैं दि० मेर्ट्टुपलायम को० ओर० स्टोर्स लि०, मैन रोड, मेर्ट्टुपलायम-641301 ।	,/16911	--वही-- 26-2-90	31-8-90 1-9-90 31-8-93 डी० एल० आई०	2/1842/88/
15.	मैं दि० कोयम्बटूर निलगिरीण आटोमोबाइल्स सिस्टेम पार्ट्स को० ओर० स्टोर्स लि०, न० के 1748 पो० वा० न० 6, मैन रोड मेर्ट्टुपलायम-641301 (दूसरी शब्दाएँ भी जो इसी कोड न० में स्थित हैं)	,/17249	एम० 35014 24-3-88 (53) 85 एस० एस० 4/ 25-3-85	25-3-88 24-3-91 डी० एल० आई० और 25-3-91 से 24-3-94	2/1184/85
16.	मैं प्रीमियर पो० एन्ट्रोनिक्स लि० 304 त्रिची रोड कोयम्बटूर-641005 (जिसकी शब्दाएँ भारात, अहमदाबाद, बम्बई, कलकत्ता और दिल्ली में हैं) ।	,/17467	2/1959/ डी० एल० आई० / एक्स 89	31-7-90 1-8-90 31-7-93 डी० एल० आई० 26-10-89	2/1838/86/
17.	मैं दिनासेहे सिस्टम प्रा० लि० 136-ए सिंगकोट इंडस्ट्रीयल कम्प्लेक्स होम्पुर- 635126 ।	,/17801	--वही-- 26-10-89	30-6-90 1-7-90 30-6-93 डी० एल० आई०	2/1989/89/
18.	मैं एली टायर एंड ट्रैक लि० 2000, त्रिची रोड, सिरगानालूट कोयम्बटूर- 641005 ।	,/21256	2/1959/ डी० एल० आई० / 26-10-89	30-9-90 1-10-90 30-9-93 डी० एल० आई०	2/1198/89
19.	मैं रामकिळालू इन्जिनियरिंग 2/12 सेनगालियालियम एन० जी० ओ० कालोनी पोस्ट कोयम्बटूर-641022 ।	,/21262	--वही-- 28-2-90	31-5-92 1-6-92 31-5-95 डी० एल० आई०	2/3361/89/
20.	मैं श्री व्यास इन्जिनियरिंग वर्क्स 2/278 सेनगालियालियम एन० जी० ओ० कालोनी कोयम्बटूर-641022 ।	,/21263	--वही-- 2-3-90	31-5-92 1-6-92 31-5-95 डी० एल० आई०	2/3375/91/
21.	मैं रामकिळालू राधव सीनरी (प्रा०) लि० कोयम्बटूर-1 ।	,/21320	--वही-- 16-2-91	1-3-90, 28-2-93	2/3319/90/
22.	मैं विजय सेन्टेक्स (प्रा०) लि० 8 ए०टी०टी० कालोनी कोयम्बटूर-641018 ।	,/21341	--वही-- 21-11-90	1-3-90 28-2-93	2/3260/90

अनुसूची-।

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित भौत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसे सेवा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएँ प्रधान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समीक्षा के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अन्डे-के अधीन समय-समय पर निवेश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रसासन में, जिसके अन्तर्गत सेवाओं का रक्खा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाद, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाद आदि भी है, होने वाले सभी घटों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को वह संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय बीमा निगम को संघर्ष करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ देते जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृच्छित रूप से वृद्धि किए जाते की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, तिन्योजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निवैशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बरबर राशि का संवाद करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित भौत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के दिन नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ भौत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दीप्तिकोष स्पष्ट करने का वृत्तिवृक्ष अवश्य होता।

9. यदि किसी कारणबश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना छुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाद करने में असफल रहता है और पातिसी को व्यपरण हो जाने दिया जाता है तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाद में किए गए किसी अतिक्रम की वजा में उन मृत सदस्यों के नाम निवैशितों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाद का उत्तरदायिय स्थापना के पर होता।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निवैशितों/विविध वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक नाह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

कामठी छावनी परिषद्

कामठी, दिनांक 7 जुलाई 1993

सं० का० नि० आ० 53/7/सी०/र० स०/89—छावनी परिषद्, कामठी, 1924 (1924 का 2) की धारा 61 की अपेक्षानुसार, छावनी परिषद्, कामठी ने नोटिस सं० सी० बी० के०/कर संशोधन/3005/डी०-127 दिनांक 29 अप्रैल, 1992 के अन्तर्गत छावनी धेन की सीमा के अन्दर संशोधित समेकित सम्पत्ति कर लगाने का प्रस्ताव प्रकाशित किया था।

परिषद् ने नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् कर संशोधन के उद्देश्य से नोटिस दिया था।

उक्त नोटिस 29 अप्रैल, 1992 को प्रकाशित किया गया था और जनता की सूचना के लिए भी उपलब्ध कराया गया था।

उक्त अवधि के दौरान जनता से प्राप्त सभी आपत्तियों और सुझावों पर परिषद् द्वारा विधिवत विचार किया गया।

अतः अब छावनी परिषद् ने छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और का० नि० आ० में 53/7/सी०/एल० एण्ड सी०/82 दिनांक 16 फरवरी, 1985 में प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना का अतिक्रमण करते हुए तथा भारत सरकार की पूर्व स्वीकृति से परिषद् एतद्वारा कामठी छावनी सीमा के अन्दर समस्त भूमि तथा भवनों पर उनके वारिष्क कर मूल्य के 23% वारिष्क की वर से एतद्वारा समेकित सम्पत्ति कर लगाता है।

धर्म पाल,
छावनी अधिशासी अधिकारी

भारतीय यूनिट द्रस्ट
बम्बई, दिनांक 16 जून 1993

सं. यूटी/डी डी डी एम/2131ए/एस पी डी 62/92-93—
संस्थागत निवेशक विशेष निधि योजना के प्रावधानों
के संशोधन जिन्हें 6 अप्रैल 1993 को हुई बैठक में कार्य-
कारिणी समिति द्वारा स्वीकृत किया गया है, इसके नीचे
प्रकाशित किए जाते हैं।

अनुबंध

संस्थागत निवेशक विशेष निधि यूनिट योजना के संशोधन

“यूनिटों के लिए आवेदन” पर खण्ड 4 के उप-खण्ड

(2) का संशोधन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा :—

“यूनिटों के क्रय के लिए प्रत्येक आवेदन न्यूनतम 2.5 लाख यूनिटों के लिए होगा अर्थात् 25 लाख रुपये और इसके बाद 50,000 यूनिटों के गुणजों में अर्थात् 5 लाख रुपए बिना कोई अधिकतम सीमा के होंगे।”

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित खण्डों के भी संशोधन होंगे :—

(1) “अन्य योजनाओं से निवेशों के अंतरण” पर खण्ड 5(ए) का फैरा 2 का संशोधन निम्नलिखित होगा :

“न्यूनतम 50,000 यूनिटों के लिए परिवर्तन होगा और इसके बाद 50,000 यूनिटों के गुणजों में। शेष राशि जो 50,000 यूनिटों के गुणजों में नहीं है उसे यूनिटधारकों का वापस कर दिया जाएगा।”

(2) “यूनिटों के लिए आवेदन” पर खण्ड 4 के उप-खण्ड (2) में 1 लाख यूनिटों के गुणजों को (न्यूनतम 10 लाख यूनिटों के अधीन) 50,000 यूनिटों के गुणजों से प्रतिस्थापित किया जाएगा (न्यूनतम 2.5 लाख यूनिटों के अधीन)।

(3) “यूनिटों की पुनर्संरीकी” के खण्ड 6 (2) की 5वीं और 10वीं पंक्ति में और खण्ड 6 (1) (1) की 8वीं पंक्ति में आ रहे 1 लाख यूनिटों के “गुणजों” के स्थान पर “50,000 यूनिटों के गुणजों” को रखा जाएगा।

(4) यूनिटों की पुनर्संरीकी के लिए फार्म के अंत में आ रहे “1 लाख यूनिटों के गुणजों” को भी “50,000 यूनिटों के गुणजों” से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

यूटी/डीबीडीएम/2131ए/एसीडी 51/इटीसी/92-93—
पर्निवेश योजना 1966, ताल उपग्राह योजना 1970, राज-
लक्ष्मी यूनिट योजना, ओमनी रॉनिट योजना 1991 और ओमनी
यूनिट प्लान के प्रावधानों के संशोधन जिन्हें 19 अप्रैल 1993
को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति द्वारा अन्वेषित किया
गया है, इसके नीचे प्रकाशित किये जाते हैं :—

अनुबंध

राजलक्ष्मी यूनिट योजना के संशोधन

(1) योजना के प्रावधानों के खण्ड 11 के अंतर्गत दी गयी परिभाषाओं में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

(क) मद (छ1) : “वैकल्पिक संसाधन” का अर्थ है—
ऐसी बालिका जो उस बालिका से भिन्न हो जिसके

पक्ष में यूनिट योजना की गयी है और जैसा कि इस योजना के खण्ड 4 (3(6) में संदर्भ दिया गया है।

(ख) मद (च 1) : पात्र संस्था का अर्थ है—पात्र स्थान जैसा कि भारतीय यूनिट द्रस्ट साधारण नियमावली 1964 के अंतर्गत परिभासित है और जिसे द्रस्ट जिसे लिखित अनुबंध के माध्यम से गठित किया गया है और अप्रतिसंहरणीय है या धर्मार्थ द्रस्ट या धर्मविद्या या पंजीकृत समिति जिसे केंद्रीय या राजस्व अधिनियमन जो अब प्रचलित है, के अंतर्गत या द्वारा निर्देशित, नियंत्रित या पर्यावेक्षित है (सहकारी समितियों को छोड़कर)।

(2) “यूनिटों के लिए आवेदन” में खण्ड 4 के उप-खण्ड में उप-खण्ड 3(6) में निम्नलिखित शामिल होगा—कोई आवेदक जो योजना में शामिल होना चाहता है, आवेदन करते समय या कोई भी अवधि के बारेनां जब उसकी बालिका योजना में शामिल होती है, आवेदन पत्र में सूचित करते कि सीमित अवरुद्ध अवधि के अंदर बच्चे की मृत्यु होने की विधिति में, इसकी ओर से आवेदन पत्र में उल्लिखित अन्य कोई बालिका और आवेदन करते समय जिसकी आयु 5 वर्ष से ज्यादा न हो, पहले उल्लिखित बच्चे के सभी अधिकार पाने का हकदार होती है। पहले उल्लिखित बच्चे की मृत्यु, निधीरित अवरुद्ध अवधि के अन्दर होने पर योजना के प्रावधान उसी से लागू होते जैसा कि पौरी वृत्तिशाली उल्लिखित बच्चा ही आवेदन पत्र में उल्लिखित एकमात्र बच्चा था।

(3) योजना के प्रावधान में “यूनिटधारक की मृत्यु” के खण्ड 21 को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा—

(1) जिसके पक्ष में यूनिट योजना की गयी है उस बच्चे की मृत्यु होने की स्थिति में निधीरित अवरुद्ध अवधि की समाप्ति के पूर्व द्रस्ट खण्ड 4 3(6) में घोषित के अनुसार, वैकल्पिक बच्चा यदि कोई हो, को द्रस्ट द्वारा बच्चे के पक्ष में जारी किए गए यूनिटों के लिए दोष राशि का हकदार मानेगा।

(2) बच्चे की मृत्यु होने को स्थिति में अवरुद्ध अवधि की समाप्त तक वैकल्पिक बच्चा योजना में शामिल रहेगा बहस्तर्के तक आवेदक इस संबंध में आवश्यक सभी बौद्धिकों को और योजना में शामिल इहने जैसा द्रस्ट चाहे, द्रस्ट को प्रेषित करता है।

(3) निधीरित अवरुद्ध अवधि के बारेनां बच्चे की मृत्यु होने की स्थिति में और जहां पर तिसी वैकल्पिक बच्चे का नाम नहीं दिया गया है निषादक या मत्त बच्चे का प्रशासक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम (1925 का 39) के खण्ड 10 के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक को ही द्रस्ट यूनिटों का हकदार मानेगा।

(4) बच्चे की मृत्यु होने के परिणामस्वरूप यूनिटों के हकदार बननेवाले व्यक्ति, अपने हक से संबंधित सभी आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने पर, जिसे द्रस्ट पर्याप्त समझेगा, उस व्यक्ति को, दावेदार द्वारा दावे से संबंधित सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, दोष राशि का भुगतान किया जाएगा।

(5) बच्चा और वैकल्पिक बच्चा दोनों की एक गांधी मृत्यु होने की स्थिति में, केवल मृत बच्चे के वैद्य उत्तराधिकार ही, मृत बच्चे के नाम जमा यूनिट पाने के हकदार होंगे। वैकल्पिक बच्चे के वैद्य उत्तराधिकार किसी भी कारण वश वाले के हकदार नहीं होंगे।

(6) पांच संस्थाएं, कम्पनी, नियमित निकाय, केन्द्रीय राज्य सरकार जो योजना में निवेश के लिए भूम्दा अलग रखते हुए एक ट्रस्ट विलेख या अन्य उचित दस्तावेज द्वारा होगा और संस्थाओं के कार्यालय पदाधिकारी या व्यक्तियों को न्यासी के रूप को बनी होंगी। ट्रस्ट विलेख में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित होंगा:

(क) योजना में निवेशित राशि निर्धारित अवरुद्ध अवधि होने के बाद केवल बालिका द्वारा ही प्राप्त की जानी चाहिए और परिपक्वता से पूर्व बच्ची की मृत्यु होने पर वही राशि संस्था को वैद्य होगी और संस्था उसे पाने के हकदार होगी।

(ख) निर्धारित अवरुद्ध अवधि के दौरान संस्था राशि का बावा करने की स्थिति में नहीं होगी। परिपक्वता के बाद बालिका को राशि का भुगतान किया जाएगा।

(ग) माथ ही निर्धारित अवरुद्ध अवधि के दौरान बच्चे की मृत्यु होने की स्थिति में राशि का भुगतान संस्थान को किया जाएगा या वैकल्पिक बच्चा नामिल करने का विकल्प दिया जाएगा यदि आवेदन करते समय उक्त नामिल नहीं किया गया हो। इन परिस्थितियों के अंतर्गत परिपक्वता राशि वैकल्पिक बच्चे को भुगतान किया जाएगा।

ओमनी यूनिट योजना 1991 के संशोधन

योजना के प्रावधानों के “आद्य क्रितरण” में खण्ड 18 के पहले पैरा को निम्नलिखित रूप में संशोधित किया जाएगा।

“ट्रस्ट नामिल का भुगतान उस बर पर करेगा जो उस वक्त 46 दिन से 1 वर्ष तक की आधिक जमा के लिए लागू प्रक्रिया दर होगी। ओमनी यूनिट योजना के प्रावधानों के खण्ड 6 के उप खण्ड (6) में निम्नलिखित पैरा को शामिल किया जाएगा।

“किन्तु सासिक आय योजनाओं की ओर से न्यूनतम निवेश संचयी विकल्प के लिए 200 यूनिट होंगी और सासिक आय विकल्प के लिए 500 यूनिट होंगी।”

ओमनी यूनिट योजना 1991 के संशोधन

ओमनी यूनिट योजना के खण्ड 2 में निम्नलिखित पैरा शामिल किया जाएगा।

“किन्तु, सासिक आय योजनाओं की ओर से न्यूनतम निवेश, संचयी विकल्प के लिए 200 यूनिट होंगी और सासिक आय विकल्प के लिए 500 यूनिट होंगी।”

पुनर्निवेश योजना—1966 का संशोधन

पुनर्निवेश योजना का पैरा 16 निम्नलिखित रूप में संशोधित किया जाएगा—

“इस योजना के अनुसरण में यूनिट भारक को आवंटित यू.एस. 64 के अन्तर्गत यूनिटों का विकी मूल्य, नये लेखा वर्ष के जूलाई माह के लिए यू.एस. 64 के अन्तर्गत यूनिटों की दिक्की के लिए निर्धारित विशेष आकार मूल्य से 2.5% कम रहेगा या राष्ट्रस/तरजीही पेशकश, निर्मम मूल्य या ऐसा अन्य कोई मूल्य जैसा प्रत्येक वर्ष जूलाई माह के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाता है। न्यूनतम मूल्य 5 पैरों के गुणजों के बराबर किया जाएगा और जूलाई, 1993 से प्रभावी होगा।

आल उपहार योजना—1970 के संशोधन

आल उपहार योजना 1970 के प्रावधान के पैरा 12 को निम्नलिखित पैरा से प्रतिस्थापित किया जाएगा—

“आद्य वितरण की संपूर्ण राशि के बारे में समझा जाएगा कि आंशिक यूनिट सहित यूनिटों के क्रम के लिए आवेदन किया गया है। इस योजना के अनुसरण में यूनिटधारक को आवंटित यू.एस. 64 के अन्तर्गत यूनिटों का विकी मूल्य, नये लेखा वर्ष यूनिटों की दिक्की के लिए निर्धारित विशेष पेशकश मूल्य से 2.5% कम रहेगा या राष्ट्रस/तरजीही/पेशकश निर्मम मूल्य या ऐसा अन्य कोई मूल्य जैसा ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष जूलाई माह के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाता है। न्यूनतम मूल्य के 5 पैरों के गुणजों के बराबर किया जाएगा और ये जूलाई 1993 से प्रभावी होंगा।”

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई

यूटी/डीबीडीएम/2131ए/एसपीडी 51/टीसी/92-93—

दिनांक जून 16, 1993

यूनिट योजना 1964, पुनर्निवेश योजना 1966, वाल उपहार योजना 1970, राजनक्षमी यूनिट योजना और वाल उपहार विधिवाली यूनिट योजना 1986 के प्रावधानों के संशोधन, जिन्हें 13 मई 1993 को हड्डी बैठक में कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित किया है, इसके तीव्रे प्रकाशित किये जाते हैं:—

अनुबंध

यूनिट योजना 1964 का संशोधन

यूनिट योजना 1964 के प्रावधानों में एक नया खण्ड 22 ‘स्ट’ जोड़ा जाएगा।

“ट्रस्ट यूनिटधारकों को, एसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में अंशदान के लिए यूनिटों की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

इसी प्रकार ट्रस्ट एसे यूनिटधारकों को एसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में आय वितरण की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

बाल उपहार योजना—1970 का संशोधन :

बाल उपहार योजना 1970 के प्रावधान में एक नया खण्ड 11 'क' जोड़ दिया जाएगा—

"‘दृष्ट’ एसे सदस्यों को एसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में अभिवान के लिए यूनिटों की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए दृष्ट द्वारा निर्धारित किया जाएगा। इसी प्रकार दृष्ट एसे सदस्यों के जैसा लागू होगा ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में आय वितरण की पेशकश करेगा जैसा इस प्रयोजन के लिए दृष्ट द्वारा निश्चय किया जाएगा।"

प्रनीनियम योजना—1966 का संशोधन :

प्रनीनियम योजना 1966 के प्रावधान में एक नया खण्ड 17 'क' जैसा नीति दिया गया है, जो दिया जाएगा।

"दृष्ट एसे यूनिटभारकों को ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में अभिवान के लिए यूनिटों की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए दृष्ट द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

उसी प्रकार ऐसे सदस्यों को ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म तथा रूप में आय वितरण की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए दृष्ट द्वारा निश्चय किया जाएगा।"

बाल उपहार बृद्धि निधि यूनिट योजना—1986 का संशोधन:

एक नया उप खण्ड 19 (अ) इस रूप में जोड़ दिया जाएगा: उप खण्ड 19(अ) :

एक कम्पनी, एक नियमित निकाय, पंजीकृत समिति या पात्र संरक्षा या इस योजना में निवेश करने के लिए ऐसे अलग रख रहे हैं, को दृष्ट विलेख या अन्य उचित दस्तावेज लिखना होगा जिसमें संस्थाओं में कार्यालय पदाधिकारी या न्यासी के रूप में व्यक्त होंगे। दृष्ट विलेख में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित भी होंगी :—

(क) 21 वर्ष की आयु हो जाने पर इस योजना में निवेश की रथी राशि बच्चे द्वारा प्राप्त की जा सकती है और निवेश की परिपक्वता के पूर्ण बच्चे की मृत्यु होने जाने की स्थिति में और वैकल्पिक बच्चा न होने पर, उचित राशि संस्था को देय होगा और संस्था भी उसे पाने का हकदार होगा।

(ख) निवेश की परिपक्वता के पूर्व पहले नामित बच्चे की मृत्यु की स्थिति में, वैकल्पिक बच्चे को नामित करने का विकल्प संस्था को दिया जाएगा एवं ऐसे वैकल्पिक बच्चे का नाम नहीं किया गया हो। उन परिस्थितियों में परिपक्वता के बावें निवेश का भुगतान वैकल्पिक बच्चे को दिया जाएगा।

(ग) पहला बच्चा और वैकल्पिक बच्चा दोनों को मृत्यु होने की स्थिति में केवल संस्थाओं को और न कि बच्चा/वैकल्पिक बच्चा का वैश्व उत्तराधिकारी/या दृष्ट द्वारा देय राशि शास्त्र करने का अधिकारी होगा।

(घ) व्यवरुद्ध अधिकारी के दौरान संस्था किसी भी स्थिति में राशि का दावा नहीं कर सकती। परिपक्वता के बाद राशि का भुगतान बच्चे को किया जाएगा।

राजनक्षमी यूनिट ये जना का संशोधन :

(1) "यूनिटों के लिए आवेदन" के खण्ड 4 का संशोधन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा :—किसी वयस्क भारतीय एकल निवासी या अनिवासी कोड़ी कम्पनी, नियमित निकाय, पंजीकृत समिति, पात्र दृष्ट, केन्द्रीय/राज्य सरकार या कोई दृष्ट द्वारा नियुक्त अभिभावक जो बालिका जिसकी आयु आवेदन करने की उम्रिति को 5 वर्ष से ज्यादा न हो के पक्ष में योजना में शामिल होने के इच्छुक हैं, भारतीय यूनिट दृष्ट द्वारा निर्धारित प्रधानी से यूनिटों के लिए आवेदन कर सकते हैं। अनिवासी प्रत्यावर्ती या अप्रत्यावर्ती आधार पर निवेश के स्रोत और वैश्व उत्तराधिकारी(यों)/आवासा(ओं) की आवशीणि स्थिति को मठ्ड्रे नजर रखते हुए निवेश कर सकते हैं। यदि आवेदक वयस्क अनिवासी भारतीय है और भारतीय राष्ट्रीय या भारतीय मूल का व्यक्ति है, तो आवासा बच्चा अनिवासी या निवासी हो सकता है। वैकल्पिक बच्चा भी अनिवासी या निवासी हो सकता है।"

(2) निम्नलिखित खण्ड 4 में एक नया उप-खण्ड (3क) जोड़ा जाएगा :—अनिवासी भारतीय वयस्क दृष्ट आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ, अनिवासी (साधारण)/अनिवासी (झाह्य)। विदेशी मुद्रा अनिवासी साता जो भारत में छेता के नाम में है और अनिवासी जो भारत में विदेशी मुद्रा में अधिकृत व्यापारी के पास है, को नामें कर या सामान्य बैंकिंग साध्यम दृष्ट विदेशी मुद्रा को प्रेषित किया जा सकता है। आवेदन पत्र दृष्ट के कार्यालय में भी रूपया चेक/ड्राफ्ट के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है।

नेपाली या भटानी मुद्राओं में भुगतान स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

(3) निम्नलिखित खण्ड 4 उप खण्ड (4) को जोड़ा जाएगा। उन अनिवासी भारतीय आवेदक के मामले में बच्चे के नाम का यूनिट प्रमाणपत्र आवेदन एवं

में दिए गए पते पर भेज दिया जाएगा या आवेदक के बैंक के पते पर जो भारत में हैं और जो अधिकृत व्यापारी हैं या आवेदक के स्थानीय/वर्तमान पते के दंश के बैंक को भेज दिया जाएगा।

- (4) “आय वितरण” के खण्ड 23 में निम्नलिखित जोड़ दिया जाएगा। अनिवासी बच्चे के शामले में, संचयी राशि विदेशी मुद्रा में अवरुद्ध अवधि की समिति के बाद प्रीष्ठित किया जा सकता है, इसके कि मूल यूनिट विदेश से प्रेषण द्वारा ले रही दी गया हो, या अनिवासी वास्थ/एक सी एन आर लाता भी और आदाता बच्चा विदेश का निवासी है। यदि यूनिट अनिवासी (राष्ट्राण्डों), लाता भी ले रही दी गया हो, संचयी राशि को अनिवासी साधारण (लाता) में बच्चे के नाम भारत के बैंक में जो विदेशी मुद्रा में अधिकृत व्यापारी है, जमा किया जाएगा। निवासी बच्चे के शामले में संचयी राशि का भुगतान रुपयों में किया जाएगा।
- (5) “यूनिटधारकों को साभ” के खण्ड 29 में निम्नलिखित जोड़ दिया जाएगा:—अनिवासी वयस्क व्यक्ति द्वारा दिए गए आवेदन पत्रों के सम्बंध में निवासी/अनिवासी दाता को प्रदान की गयी सुविधाएं/उपलब्ध साभ, विदेशी मुद्रा अधिनियम विनियमों के अनुसार होंगी जो समर्थ-समर्थ पर लागू होंगी।

भारतीय यूनिट द्रस्ट

मर्फ़ै, दिनांक 18 अगस्त 1993

मं. यूटी/डीलिङ्गम/393/एस्टीनी 60/93-94—वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान के ग्रावधान जो भारतीय यूनिट द्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 19(1)(8)(सी) के अंतर्गत बनाए गए हैं और वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना जो भारतीय यूनिट द्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 21 के अंतर्गत बनायी रखे हैं और जिसे 6 अप्रैल 1993 को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति ने अन्वेषित किया है तथा 13 मई 1993 की कार्यकारिणी समिति की बैठक में संशोधित किए गए हैं, इसके नीचे प्रकाशित किए जाते हैं।।

वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना

भारतीय यूनिट द्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 21 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय यूनिट द्रस्ट का न्यासी मंडल एतददाग निम्नलिखित योजना बनाता है:

उद्देश्य

वर्तमान समय में देश में क्षेत्र चिकित्सा सुरक्षा व्यवस्था नहीं हैं जो व्यक्तियों को विशेष कर सेवा निवृत्ति के बाद अस्पताल में भर्ती होने सम्बंधी सर्वों से सुरक्षा प्रदान कर सके। वरिष्ठ नागरिकों की चिकित्सा इलाज और अस्पताल में भर्ती होने पर होने वाले अचौंगे सुरक्षा प्रदान के द्वारा उपलब्ध करता है।

अब वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना जारी भरता है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य है व्यक्तियों को बच्तव्य करने के लिए सहायता प्रदान करना ताकि वे वरिष्ठ नागरिक बनने पर अपने लिए और अपने पति/पत्नी के लिए सुनिश्चित चिकित्सा और अस्पताल में भर्ती होने सम्बंधी पत्ती की सुविधा प्राप्त कर सकें।

1. संक्षिप्त शीर्षक और योजना का प्रारंभ :

(1) यह योजना सतत खुली योजना रहेगी और “वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना” (एसीयूएस) कही जाएगी।

(2) यह [3 मई, 1993] से प्रभावी होगी।

(3) इस योजना के अंतर्गत प्रारंभ यूनिटों की विक्री 2[3 मई, 1993 से 25 जून 1993 तक] होगी। तत्त्वान्तर द्रस्ट प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी से 31 मार्च तक या समय समय पर द्रस्ट द्वारा निश्चित की गयी किसी तीन माह की अवधि के दौरान विक्री खुली रहेगी। (किन्तु अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी योजना के अन्तर्गत यूनिटों की विक्री इस अवधि के बीच किसी भी समय समाचार पत्रों में या किसी भी अन्य मिडिया के माध्यम से एक सप्ताह की सूचना देकर स्थगित/जारी रख सकते हैं।)

2. परिभाषा:

इस योजना में जब तक कि विषयक स्तर में अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) “अधिनियम” का अर्थ है भारतीय यूनिट द्रस्ट अधिनियम 1963;

(ख) “स्वीकृति तिथि” आवेदक द्वारा यूनिटों की विक्री या आहरण के लिए द्रस्ट को भेजे गए आवेदन पत्र के संदर्भ में स्वीकृति तिथि का अर्थ है उक्त तिथि जब द्रस्ट संतुष्ट होकर आवेदन पत्रों को स्वीकार करता है कि यह सही है।

(ग) “किसी भी बीमारी” को समातार अवधि की बीमारी मानी जाएगी और इसमें डाक्टर/असांताल/रॉसिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/अन्य समान संस्था के साथ अंतिम परामर्श की तिथि में 45 दिनों के भीतर फिर से बीमार पड़ना शामिल होगा। 45 दिनों जैसा कि उपर दिया गया है, की समाप्ति के बाद किसी प्रकार की बीमारी होने पर नहीं बीमारी मानी जाएगी।

(घ) 3[अस्पताल/रॉसिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/किसी अन्य स्थान संस्था के]3 आंतरिक सुरक्षा और बीमारी और अस्तित्व के इलाज के लिए भारत में स्थापित की गयी संस्था के लिए या आम जाएगा और जिसे अस्पताल या नॉर्सिंग होम या

- “19 अप्रैल 1993” के लिए दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित किया।
- “19 अप्रैल 1993” में 31 मई 1993 के लिए दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित किया।
- चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/काइंग अन्य समरूपी संस्थान के प्रारंभ करने के लिए 13-5-93 को यथा संशोधित।

चिकित्सा सुरक्षा केन्द्र या अन्य समान संस्था के रूप में स्थानीय प्राधिकारी के पास पंजीकृत किया गया है और जो योग्य डाक्टर की निगरानी में है।

“अस्पताल” शब्द के अंतर्गत विश्राम लेने की जगह, बृद्ध व्यक्तियों की जगह नशीली पदार्थों के सेवन करनेवालों की जगह, मरणान करने वालों की जगह, होटल या ऐसे समान जगह, शाहिल नहीं होंगे। यदि अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/या अन्य समान संस्था स्थानीय प्राधिकारी के साथ पंजीकृत नहीं है, तिन्हींलिखित न्यूनतम शर्तों को पूरा करना होगा:—

- (1) उस में कम-से-कम 10 आहरी रांगियों के लिए व्यवस्था होनी चाहिए।
- (2) दिन रात काम करने वाले, पूर्ण रूप से सज्जित नर्सिंग स्टाफ होना चाहिए।
- (3) पूर्ण रूप से सज्जित आपरेशन थियेटर होना चाहिए।
- (4) केन्द्र में दिन रात एक चिकित्सक प्रभारी के रूप में रहना चाहिए।

(इ) “चिकित्सक” का वर्ष है कोई भी व्यक्ति जिसके पास मान्यताप्राप्त संस्था से डिग्री/डिप्लोमा है और जिसे भारत के सम्बंधित राज्य के मैडिकल काउंसिल बूवारा पंजीकृत किया गया है।

(छ) “दृश्य में यूनिटों की संख्या” का अर्थ है वेचे गए और बकाया कुल यूनिटों की संख्या।

(छ) “योग्यताप्राप्त नर्स” का अर्थ है कोई व्यक्ति जिसके पास मान्यताप्राप्त नर्सिंग काउंसिल का प्रशाण एथ/डिप्लोमा है और जिसे सेवा करने वाले चिकित्सक के सिफारिश से नियोजित किया गया है।

(ज) “मान्यताप्राप्त शेयरस्काउटर-बाजार जो उस समय के लिए प्रतिभूति संविदा विनियमन अधिनियम 1956 (1956 का 42) के अंतर्गत मान्यताप्राप्त है।

(झ) “चिकित्सा बीमा सुरक्षा” का अर्थ है इसमें शामिल योजना और इसके अंतर्गत बनाया गया प्लान के अधीन उपलब्ध चिकित्सा लाभ जो अस्पताल में भर्ती होने पर 5 लाख रुपए तक की राशि, जो सदस्य और बैल/बर्ली के लिए देय है।

(ञ) “विनियम” का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट समान्य विनियमावली 1964 जो अधिनियम की धारा 43 (1) के अंतर्गत बनायी गई है।

एस० सी० यू० एस०-९३ के अस्सर्गत अपेक्षित न्यूनतम राशि

आयु	न्यूनतम राशि	आयु	न्यूनतम राशि	आयु	न्यूनतम राशि
21	2500	34	5800	47	18400
22	2500	35	6300	48	20300
23	2500	36	6900	49	22300
24	2600	37	7500	50	24500
25	2800	38	8200	51	26700
26	3000	39	9000	52	29000
27	3300	40	9800	53	32000
28	3600	41	10600	54	35000
29	3900	42	11700	55	38000
30	4200	43	12800	56	30300
31	4500	44	14000	57	31100
32	4900	45	15300	58	32000
33	5300	46	16700	59	33000
				60	34200

(ट) “यूनिट” का अर्थ है यूनिट पूँजी में 10 रुपए के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर।

(ट) अन्य सभी अधिव्यक्तियों जिन्हें यहां परिभाषित नहीं की गयी हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित है, का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में दिए गए हैं।

3. प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य :

प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य 10/- रुपए होगा।

4. यूनिटों के लिए आवेदन पत्र :

यूनिटों के लिए आवेदन पत्र केवल एकल आधार पर 21—55 आय वर्ष के नियासी व्यक्ति कर सकते हैं, (संग्रह आधार पर आवेदनों को अनुमति नहीं है) जो नाम सदस्य और पति/पत्नी दानों के लिए होगा। पंशक्ष की आरंभ की अवधि में 60 वर्ष को आयु के व्यक्तियों को भी शामिल होने की अनुमति है।

[इस अवधि में, सदस्य की आय योजना में शामिल होने के समय यदि 55 वर्ष पूरी हो, तब पति/पत्नी की आय 60 वर्ष से अधिक न हो।]

आवेदन पत्र वैसे फार्म में जमा करना होगा जो ट्रस्ट के अध्यक्ष/कार्यपालक न्यासी द्वारा अनुमोदित किया गया हो।

5. निवेश की न्यूनतम राशि :

आवेदन 2 [10] यूनिटों के गण्डों में किया जाएगा जो निर्धारित न्यूनतम यूनिटों की संख्या के अधीन होगा, जो प्लान में शामिल होने के समय हदस्य की आय के अनुसार अलग-अलग होगा या ऐसे अन्य न्यूनतम यूनिटों की संख्या जैसा निर्धारित किया गया हो। 21 वर्ष की आय के निवेशक को न्यूनतम 2600/- रु. निवेश करना होगा और 55 वर्ष की आय के निवेशक को न्यूनतम 38,000/- रुपए निवेश करना होगा ताकि 5 लाख रुपए तक की दीमा सुरक्षा दा रहे। 60 वर्ष की आय के व्यक्ति जो आरंभिक पेशकश अवधि के दौरान शामिल होता है, उन्हें 34,200/- निवेश करना होगा। निवेश की जाने वाली न्यूनतम राशि (दिए गए सारणी के अनुसार) निधि, की दृष्टि के अनुसार उच्चलोगी और शीमित राशि की समीक्षा यदि कोई हो, दिक्की की अवधि के दौरान की जाएगी और उचित समय पर घोषित की जाएगी।

1 दि. 13-5-1993 को जोड़ा गया।

2 100 यूनिटों के लिए दि. 13-5-93 को प्रतिस्थापित किया गया।

उपर्युक्त सालगी के लिए पूर्णानुमान

(1) 51 वर्ष की आयु तक के लिए प्रीमियम 5% की दर से बढ़ेगा और इसके बाद 0% की दर से (चौथे वर्ष के बाद 20% वृद्धि)।

(2) निवेश निम्नलिखित रूप में बढ़ेगा (आयु वर्ग वार) 21 से 30—14%; 31 से 40—14.5%; 41 से 45—15%; 46 से 50—15.5%; 51 से 55—16%।

(3) 5625/- रुपए के प्रीमियम 4 किश्तों में भूगतान किया जाएगा और 4975/- रुपए के तीन किश्तों (13% की छूट दी गयी)।

(4) प्रीमियम की दर दानों सदस्य और परिस/पत्नी के लिए होगी।

(5) 55 वर्ष की आयु तक न्यूनतम राशि, वार्षिकी दरने के लिए प्रीमियम राशि की 1.5 होगी। 55 वर्ष की आयु के उपर के लिए केवल प्रीमियम समिलित है।

(6) राशि को समीपर्ती 100 में पूर्णांकित किया गया है।

नियोग की न्यूनतम राशि ऐसा कि उपर उत्क्लिखित है, में अस्पताली चिकित्सा सुरक्षा जो सदस्य और परिस/पत्नी दानों के लिए देय है, शामिल होगा। निर्दिष्ट न्यूनतम राशि से अधिक के किसी निवेश से अतिरिक्त चिकित्सा बीमा सुरक्षा के पात्र नहीं होंगे किन्तु वार्षिकी की राशि या समाप्ति लाभ बढ़ेगा। नियोग की अधिकतम राशि पर कोई सीमा नहीं रहेगी। बहुविधि सदस्यता, की अनुमति नहीं होगी।

आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भूगतान आवेदन पत्र के साथ नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। चेक और ड्राफ्ट उन शहरों के बैंक की शास्त्राओं पर आहरित होंगे जहाँ पर द्रस्ट कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है और केवल “रेसांकित खाता आदाता” ही होगा।

यदि भूगतान चेक द्वारा किया जाता है एसे चेक की राशि की प्राप्ति होने के अधीन, स्वीकृति तिथि द्रस्ट के किसी भी कार्यालय द्वारा चेक प्राप्त होने की तिथि होगी। यदि भूगतान ड्राफ्ट द्वारा किया जाता है, एसे ड्राफ्ट की राशि की प्राप्त होने के उधीन, स्वीकृति तिथि, ड्राफ्ट आसी करने की तिथि होगी बशर्ते कि आवेदन पत्र उत्तिष्ठ समय के अन्वर द्रस्ट के कार्यालय में उचित समय पर प्राप्त किया गया हो। यदि आवेदित यूनिटों के लिए प्रस्तुत को गयी राशि, आवेदित यूनिटों के निये देय राशि को समिलित करने के लिए पर्याप्त नहीं है, आवेदक को योजना के अंतर्गत न्यूनतम यूनिटों के अधीन कम यूनिट जारी की जाएगी और देय शेष राशि उन्हें बाप्त कर दी जाएगी, एसे प्रवृद्धि से जिसे द्रस्ट सही भमझेगा। यदि कोई आवेदन पत्र पूर्ण नहीं है या उस आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया गया है जो योजना में नियोग करने के पात्र नहीं है तो उक्ता राशि बिना व्याज के बाप्त कर दी जाएगी।

6. परिस/पत्नी का विवरण जमा करना :

योजना में शामिल होने के समय जिन सदस्यों के परिस/पत्नी हैं, आवेदन फार्म में ही उनके ब्यौरे हैं। इस भाष्मले में कोई भी परिवर्तन के तुरन्त आवश्यक वैध दस्तावेजों के साथ द्रस्ट को सूचित करना चाहिए, ऐसे मामले में नये परिस/पत्नी (स्पाउज) चिकित्सा बीमा सुरक्षा के पात्र होंगे। योजना में शामिल होने के समय जो सबस्य विवाहित नहीं है, विवाह के तुरन्त बाद उन्हें परिस/पत्नी के ब्यौरे प्रस्तुत करना चाहिए। 54 वर्षों की समाप्ति के बाद किन्तु 55 वर्ष की समाप्ति के पहले द्रस्ट परिस/पत्नी के बारे में नाम, पता और हाल में लिए गए फोटो और हस्ताक्षर भीहत ब्यौरे की भाँग करेगा। परिचय पत्र उस समय दी गयी सूचना के जाधार पर जारी की जाएगी। सबस्य क्ये यह विकल्प दिया जाएगा कि वे उस समय परिस/पत्नी को योजना के अंतर्गत शामिल होने की बात की पूष्ट करते हैं/करती हैं या नहीं। यदि परिस/पत्नी का श्वीरा सञ्चय द्वारा नहीं दिया गया है, लाभ केवल सदस्य के लिए ही उपलब्ध होगा और एन आर्ह ए सी को कम प्रीमियम दिया जाएगा।

7. यूनिटों की विक्री :

ऐसा भाना जाएगा कि द्रस्ट द्वारा यूनिटों की विक्री की संविदा स्वीकृति तिथि को पूरी की गयी है। विक्री के लिए संविदा की समाप्ति पर, द्रस्ट, इसके बाद यथाशीघ्र आवेदक को पावती भेजेगा। इसके बाद यथाशीघ्र द्रस्ट आवेदक को एक यूनिटों को संस्था देते हुए सदस्यता प्रमाणपत्र जारी करेगा। सदस्यता प्रमाणपत्र पंजीकृत ढाक द्वारा पावती सहित या इसके बिना आवेदक द्वारा दिए गए प्रते पर भेजा जाएगा और द्रस्ट भेजे गए सदस्यता प्रमाण पत्र की किसी भी प्रकार की हानि, क्षति या गैर सुपुर्द्धरी के लिए जिम्मेदार नहीं रहेगा।

8. सदस्यता से हट जाना :

जो 55 वर्ष की आयु से पहले योजना में शामिल हुए हैं, उनके लिए न्यूनतम 1 वर्ष की अवरुद्ध अवधि होगी। आवेदन पत्र की तिथि से 1 वर्ष की अवरुद्ध अवधि के बाद 3 वर्ष की समाप्ति तक, सदस्य योजना से हट सकता है और उसे प्रशासनिक और अन्य लागत की 5% घटाकर अंशदान बाप्स कर दिया जाएगा। 3 वर्ष की समाप्ति के बाद, सदस्य किसी भी समय सदस्यता से हट सकता है, और अंशदान राशि के योग्य राशि अदा की जाएगी, यदि कोई बीमा प्रीमियम का भूगतान किया गया हो तो उसका भूगतान कर 10% प्रति वर्ष की दर से परिवर्तित कर दिया जाएगा। यह मूल्य वृद्धि का दर प्रत्येक बो वर्ष में पुनरीक्षण की जाएगी। सबस्य को सदस्यता से हटने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तिथि के पूर्व, उक्त कैलेन्डर वर्ष की पिछली तिथाही की समाप्ति तक राशि देणे होगी। 55 वर्ष की आयु के बाद विशेष पेशकश अवधि के दौरान योजना में शामिल होनेवाले सदस्यों को आहरण की यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी किन्तु प्रीमियम के 7 किश्तों के भूगतान के बाद, समाप्ति लाभ के समान राशि आहरित की जा सकती है। 55 वर्ष की आयु तक योजना

में शामिल होनेवाली सदस्यों के मामले में, यदि सदस्यता 58 वर्ष की आयु के बाद यापस ली जाती है (अर्थात् प्रीमियर के चौथे किलो के भूगतान के बाद) 2.5 लाख की चिकित्सा बीमा सुरक्षा उपलब्ध होती। उसी प्रकार 61 वर्ष की आयु के बाद प्लान से आहरण करने पर 5 लाख रुपए तक की चिकित्सा बीमा सुरक्षा उपलब्ध होती।

जो 55 वर्ष की आयु के बाद योजना में शामिल होते हैं, उन्हें 5 लाख रुपए तक की चिकित्सा बीमा सुरक्षा उपलब्ध होती यदि वे योजना में शामिल होने के 6 वर्षों के बारे प्लान से हटते हैं।

9. यूनिटों की विक्री और पूर्वसूचित मूल्य पर प्रतिबंध :

(1) इस योजना के प्रायधात्र में किसी बात के अन्यथा होते हुए, द्रस्ट यूनिटों को बेचने या पूर्वसूचित बरने के लिए आश्रम नहीं होगा :—

(1) ऐसे दिनों को जो कार्य-विवर नहीं है और

(2) उस अवधि के दौरान जब सदस्यों का रजिस्टर वार्षिकी—लेसा बंदी के कारण बंद हो (जैसा द्रस्ट द्वारा अधिसूचित किया गया है)।

स्पष्टीकरण : इस योजना के प्रयोगन के लिए, "कार्य-दिवस" का अर्थ होगा, वह दिन जो न तो

(1) महाराष्ट्र राज्य में परक्रम्य लिङ्गत अधिनियम 1881 के अंतर्गत सार्वजनिक अवकाश के रूप में अधिसूचित किया है—

(2) द्रस्ट द्वारा सरकार के राजपत्र में द्रस्ट का मूल्य कार्य-लय बंद करने के दिन के रूप में अधिसूचित किया गया है—

(2) (1) यह माना जाएगा कि स्वीकृति तिथि को पूर्वसूचित की संविदा पूरी हो गयी है।

(2) जहां आवेदक द्वारा यूनिटों की पूर्वसूचित के लिए दिए गए आवेदन को द्रस्ट द्वारा स्वीकृत किया गया है, द्रस्ट यथाशीघ्र आवेदक को पावती भेजेगा।

(3) द्रस्ट द्वारा पूर्वसूचित तिथि के बाद किया जाएगा, ऐसी प्रवधति से जैसा आवेदन पत्र में बताया गया हो। किसी भी रिस्ति में आवेदक को देय राशि पर ब्याज नहीं, दिया जाएगा और प्रेषण का लाभ या द्रस्ट द्वारा भेजे गए चेक या ड्राफ्ट की वसूली का भाँत आवेदक द्वारा ही वहन किया जाएगा।

10. स्वीकृति तिथि की विक्री और पूर्वसूचित के मूल्य के अनुसार यूनिटों की विक्री या पूर्वसूचित :

(1) द्रस्ट द्वारा यूनिटों की प्रत्येक विक्री या पूर्वसूचित, स्वीकृति तिथि के प्रचलित सम्बंधित मूल्यों/दरों पर की जाएगी।

(1) उक्त मूल्य पर जिस पर द्रस्ट द्वारा यूनिट बेचे जायेंगे। (इसके बाद "विक्री मूल्य" कहा जाएगा)।

(2) यूनिट सम्मूल्य पर बेची जाएंगी।

(2) किसी बात के अन्यथा होते हुए जब द्रस्ट संतुष्ट है कि द्रस्ट के हित में, सदस्य और योजना की निरतता, और वृद्धि व्यावहारिक या कालोचित है, द्रस्ट विक्री मूल्य या पुनर्वारीव दर/सदस्यता की वापसी की प्रवधति या थोनों एंसे दर पर जो उपर्युक्त प्रावधानों के अनुसार नहीं होती, निर्धारित करेगा और ऐसे निर्धारण को सदस्य और द्रस्ट के हित में समझा जाएगा।

11. आय की घोषणा और पुनर्निवेश :

द्रस्ट प्लान के अंतर्गत मूल्य वृद्धि की दर प्रत्येक वर्ष जूलाई में घोषित करेगा जिसे अतिरिक्त यूनिटों में सम्मूल्य पर पुनर्निवेश की जाएगी, किन्तु ऐसी पहली घोषणा केवल जूलाई, 1994 में ही की जाएगी। मूल्य-वृद्धि आवेदन पत्र की रवीकृति तिथि के अनुसार यथानुपात आधार पर होगा। एन आई ए सी को देय प्रीमियम इस मूल्य-वृद्धि/मूल निवेश या दोनों से भूगतान किया जाएगा।

सदस्य निर्धारित आय प्राप्त करने पर धार्षिकी की दर द्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष जूलाई में घोषित और भूगतान की जाएगी।

11. इस योजना के संबंध में आस्तियों का मूल्यांकन :

आस्तियों के मूल्यांकन के प्रयोगन के लिए आस्तियों का विभाजन निम्नलिखित रूप में होगा (क) नकद राशि (ख) निवेश (ग) सम्पत्तियां (घ) अन्य आस्तियां :—

(क) निवेशों का मूल्यांकन—

निवेशों का मूल्यांकन निम्नलिखित क्रमे शामिल कर किया जाएगा :—

(क) किसी भी कार्य दिवस को शेयर बाजार के बंद होने के समय जिस मूल्य पर ऐसे योजना के संबंध में द्रस्ट द्वारा भारित प्रतिभूतियों का मूल्यांकन किया जाता है, तथा एक से अधिक शेयर बाजारों पर प्रतिभूति का भाव कोट किया जाता है दोसी स्थिति में उक्त प्रतिभूति का मूल्य निर्धारण की रीति द्रस्ट द्वारा निर्णय की जाएगी।

(ख) जहां निवेश का व्यवहार संगत अवधि के दौरान नहीं किया गया या किसी मान्यताप्राप्त शेयर बाजार में उसी के मूल्य कोट भी नहीं किए गए, ऐसी परिस्थिति में द्रस्ट उक्त निवेश का उचित मूल्य समझेगा वह निर्धारित करेगा।

1. दि. 13-05-1993 को जेझा गया।

इसमें ओड़े :

- (ग) व्याज उंचित करने वाली जमा राशियों के मामले में प्रोटोकूल व्याज किन्तु अप्राप्त ।
- (घ) सरकारी प्रतिभूतियों और छिबेंचरों के मामले में प्रोटोकूल व्याज किन्तु अप्राप्त ।
- (ड) दिना लाभांश के कोट किए गए सरबीही शेयरों और ईंकवटी शेयरों के मामले में कोट किए गए पूर्व लाभांश थोकित लाभांश निक्सु अप्राप्त ।
- (ख) अन्य आस्तियों का मूल्यांकन :

तिथि में अन्य आस्तियों का मूल्यांकन उनकी बहियों में अंकित मूल्य पर किया जाएगा या प्राप्त मूल्य पर जो भी कम हो । दूसरे शब्दों में, यदि द्रस्ट को यह जानकारी में लाई जाती है कि अन्य आस्तियों के बाजार मूल्य में मूल्य-हृस्त हुआ है तिर्चिरित बाजार मूल्य को ही लिया जाएगा ।

12. सबस्ता प्रमाणपत्र का फार्म :

अधिक द्वारा अनुमोदित फार्म में सबस्ता प्रमाणपत्र होगा । प्रत्येक यूनिट प्रमाणपत्र में एक विवेक संस्था जितनी यूनिटों का यह प्रमाणपत्र है उनको संस्था और सबस्तों के नाम होंगे । सबस्ता प्रमाणपत्र में एक वर्ष की अवरुद्ध अवधि समाप्त होने की तिथि भी होगी ।

13. सबस्ता प्रमाणपत्र तैयार करने की विधि :

जैसा बोर्ड समय-समय पर निर्भारित करेगा, सबस्ता प्रमाणपत्र उत्कीर्ण या लिथोग्राफ या मुद्रित किया जाएगा और द्रस्ट की ओर से हस्ताक्षरित होगा । प्रत्येक हस्ताक्षर, स्वहस्ताक्षरित होगा या किसी यांत्रिकी विधि से लाया गया होगा । जब तक सबस्ता प्रमाणपत्र इस रूप में हस्ताक्षरित नहीं होगा, तब तक वह मात्र नहीं होगा । इस रूप में हस्ताक्षरित सबस्ता प्रमाणपत्र मात्र होगा और इस बात के होते हुए बाध्यकारी होगा कि इह जारी होने के पहले, किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है, द्रस्ट की ओर से सबस्ता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकूल व्यक्ति नहीं रहा हो किन्तु इस रूप में तैयार किया गया सबस्ता प्रमाणपत्र में यदि किसी अधिकूल व्यक्ति का हस्ताक्षर है तो प्रमाणपत्र जारी होने के पहले किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है, द्रस्ट की ओर से सबस्ता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकूल व्यक्ति नहीं रहा हो किन्तु इस रूप में तैयार किया गया सबस्ता प्रमाणपत्र में यदि किसी अधिकूल व्यक्ति का हस्ताक्षर है जो प्रमाणपत्र जारी होने के समय मृत है; द्रस्ट किसी सरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है, और किसी अन्य अधिकूल व्यक्ति का हस्ताक्षर है जो प्रमाणपत्र जारी होने के समय मृत है, द्रस्ट किसी सरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है प्रमाणपत्र पर विद्यमान उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर को निरस्त कर सकता है, और किसी अन्य अधिकूल व्यक्ति का हस्ताक्षर उस पर करना सकता है । इस रूप में जारी सबस्ता प्रमाणपत्र भी मात्र होंगे ।

14. यूनिट प्रमाणपत्र के संबंध में द्रस्ट द्वारा मान्यता नहीं दिया जाना :

जो अधिकृत सबस्ता प्रमाणपत्र जारी किया गया है, केवल वही व्यक्ति द्रस्ट द्वारा सबस्ता के रूप में मान्य होगा और यह मात्र जाएगा कि इसका स्वत्वाधिकार ना हित उसमें या उक्त सबस्ता प्रमाणपत्र की यूनिटों में है । जो उनके नाम में है और द्रस्ट उक्त सबस्ता मध्यस्त के उसका एकमात्र स्वामी यानेगा और इसके विपरीत किसी नोटिस से या किसी द्रस्ट के क्रियान्वयन की नोटिस से वंधा नहीं होगा या सिफर उन दातों के छोड़कर जबकि इसमें स्पष्ट रूप से यह दिया गया हो या कार्यक्रम में सभी स्थानों द्वारा यह आवेद विद्या गया हो जो किसी प्रणालेपत्र के शीर्षक छोड़ या यूनिटों की सबस्ता संस्था को प्रभावित करता हो, मान्यता दी जाए ।

15. जब प्रमाणपत्र कटे-फटे, विरुद्धपात्र, लापता आदि हैं, यूनिट प्रमाणपत्रों का विनाश और प्रक्रिया :

(1) यदि कोई सबस्ता प्रमाणपत्र कटे-फटे जाता है या घिस-पिट या विरुद्धित हो जाता है तो ऐसे मामलों में द्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्तिस को एक तथा सबस्ता प्रमाणपत्र जारी कर सकता है । इसकी समग्र संस्था उसनी ही होगी जितनी कि कटे-फटे, विरुद्धित सबस्ता प्रमाणपत्रों की थी । यदि कोई सबस्ता प्रमाणपत्र हो जाता है, चूराया जाता है या नष्ट हो जाता है सो द्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्तिस को उनके बदले में नया सबस्ता प्रमाणपत्र जारी करेगा । कोई नया प्रमाणपत्र जब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि आवंदक के पास पहले से निम्नलिखित नहीं हों ।

(1) मूल प्रमाणपत्रों के कटे-फटे होने, टूटने, फिरुपित होने, खो जाने, चुरा लिए जायें या नष्ट होने के संतोष-जनक साक्ष्य द्रस्ट को प्रस्तुत नहीं किये जाते;

(2) तथ्यों की जांच के सम्बंध में सभी सर्वों का भुगतान नहीं किया जाता, कटे-फटे या घिस-पिटे या विरुद्धित सबस्ता प्रमाणपत्रों को द्रस्ट को प्रस्तुत किया जाता है ।

(3) द्रस्ट को क्षतिपूर्ति बंधवत्र प्रस्तुत किया जाता है जैसा द्रस्ट चाहता है । इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत द्रस्ट सद्भावना के आधार पर उक्त प्रमाणपत्र को जारी करने का उत्तराधायित्व नहीं लेगा ।

(2) इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत कोई प्रमाणपत्र जारी करने के पहले द्रस्ट लाहेगा कि आवंदक इसके द्वारा निर्गत प्रत्येक सबस्ता प्रमाणपत्र पर 1/- रु. का भुगतान करें । साथ ही द्रस्ट की राय में स्टाम्प इयूटी यदि कोई है, को लिए पर्याप्त धन राशि या अन्य रुप्त या डाक पंजीकरण रुप्त सहित कर जोड़कर प्रमाणपत्र को जारी करने और प्रेषित के सम्बन्ध में देय हो, उसे भी जमा करेगा ।

16. सदस्यों का रजिस्टर :

यूनिटधारकों के पंजीकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रावधान होंगे :

(1) द्रस्ट के प्रधान कार्यालय में सदस्यों का एक रजिस्टर रखा जाएगा और इस रजिस्टर में निम्नलिखित प्रविष्टियां की जाएंगी ।

(क) सदस्यों के नाम और पते;

(ख) प्रमाणपत्र की विभेदक संख्या और प्रत्येक उक्त व्यक्ति द्वारा धारित यूनिटों की संख्या और

(ग) उक्त व्यक्ति को यूनिटों के जो उनके नाम में हैं धारक बनने की तिथि ।

(घ) यूनिटों की अवृद्धि अवधि की समाप्ति अर्थात् जिस तिथि से उन्होंने पुनर्सीद के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है ।

(2) किसी सदस्य द्वारा अपने नाम या पते में लाए गए परिवर्तन को द्रस्ट की जानकारी में लायी जाएगी जो उक्त परिवर्तन से संतुष्ट होकर और अपेक्षित वीपचारिकताओं का पालन कर सकनुसार रजिस्टर में परिवर्तन करेगा ।

(3) किसी उस अवधि को छोड़कर जबकि रजिस्टर इन्व रखती है सब उसमें निश्चित प्रावधानों के अनुसार व्यवसाय के घट्टे के बारान रजिस्टर (द्रस्ट द्वारा लगाए गए व्यक्तिगत नियंत्रण के बंधीन) किंतु प्रत्येक व्यवसाय के विन कम से कम दो घट्टे निरीक्षण के लिए बिना किसी लच्चे के सदस्य के निरीक्षण के लिए कुली रहेगी ।

(4) रजिस्टर उक्त अवधि के लिए बंद रहेगी जैसी द्रस्ट द्वारा समय-समय पर निश्चित नियंत्रण किया जाएगा । किंतु किसी भी वर्ष में यह 60 दिनों से अधिक दिनों के लिए बंद नहीं रखी जाएगी । बंद होने के सूचना उक्त समावार पत्र में विशेष द्वारा प्रकाशित करेगा जिस रूप में बोर्ड निर्वाचन देगा ।

(5) किसी यूनिट के संबंध में किसी द्रस्ट की स्पष्ट सूचना, समाविष्ट या रखनात्मक रजिस्टर में प्रवेश किया जाएगा ।

17. सदस्य द्वारा द्रस्ट को भुगतान करने की रसीद :

किसी भी सदस्य द्वारा सर्टिफिकेट में अंकित यूनिटों के संबंध में उनके द्वारा पार्श्व गई राशि के लिए दी गई रसीद द्रस्ट के लिए सही अदायगी मानी जाएगी ।

18. मृत्यु वावे :

(1) सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में, पति/पत्नी जिसका नाम द्रस्ट के पास पंजीकृत है को अपना/अपनी हिस्से के साथ प्लान में जारी रहने था प्लान आहरण करने की अनुमति दी जाएगी ।

(2) जिस सदस्य ने उन्ने पति/पत्नी के ब्यौरे नहीं दिए हैं, जो भर्ता होने की स्थिति में और दोनों सदस्यों और पति/पत्नी सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में नामिती दी ही दिना किसी प्रमाण के द्वारा सदस्यता प्रमाणपत्र/पत्रों में दिए गए यूनिटों पर हित अधिकार मानेगा ।

(3) जिस सदस्य ने पति/पत्नी का यौवा नहीं दिया है उसके द्वारा वैध नामांकन के अभाव में, मूलक सदस्य का प्रशासनिक या कार्यपालक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र कोई धारक ही केवल ऐसा व्यक्ति होगा जो द्रस्ट द्वारा माना जाएगा कि उसका यूनिटों पर अधिकार हो ।

(4) किसी यूनिट धारक की मृत्यु/दिवालिया होने के कारण किसी व्यक्ति को यूनिटों का स्वत्वाधिकारी होने पर हथा उस व्यक्तिकी होने के साक्षों को प्रस्तुत करने पर जिस द्रस्ट पर्याप्त होनेगा, सदस्य के रूप में द्रस्ट के पंजी में पंजीकृत करने पर ध्येय करेगा ।

(5) योजना में शामिल होने के बाद 1 वर्ष की अवरुद्ध अवधि के दौरान किसी भी समय सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में द्रस्ट द्वारा दावेदार को प्रशासन और अन्य लागत के लिए 5% घटाकर, अंशदान का भुगतान करेगा ।

(6) 55 वर्ष की आयु के बाद सदस्य और पति/पत्नी की मृत्यु होने के स्थिति में और लाभ अवधि के आरम्भ होने के पहले, दावेदार, नामिती/वैध उत्तराधिकार को अंशदान राशि के साथ प्रत्येक वर्ष के लिए लागू मूल्य दृढ़िक्षण का भुगतान किया जाएगा ।

(7) लाभ अवधि (अर्थात् 58 वर्षों की उम्र के बाद) की शुरूआत के बाद पति/पत्नी और सदस्य दोनों की मृत्यु होने की स्थिति में, वैध उत्तराधिकारी/नामिती को समाप्त लाभ (टर्मिनल बैनिफिट) के बराबर की राशि के भुगतान किया जाएगा जैसा योजना के लिए 22 (2) में संदर्भित है और उक्त पाँलिसी के संबंध में कोई उन्न श्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाएगा ।

(8) श्रीमियम शुरू होने के बाद मृत्यु होने पर कोई श्रीमियम की वापसी नहीं की जाएगी ।

(9) सदस्य की मृत्यु की स्थिति में यदि पति/पत्नी में कोई परिवर्तन हो जा हो और इसे द्रस्ट द्वारा सूचित नहीं किया गया हो, तो वैध उत्तराधिकारी/नामिती प्लान के अंतर्गत निवेश का आहरण कर सकते हैं । नया पति/पत्नी प्लान के अंतर्गत चिकित्सा सुरक्षा पाने के हकदार नहीं होंगे ।

10. लाभ अवधि आरम्भ होने से पहले सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में और सदस्य को पति/पत्नी न होने की स्थिति में दावेदार को अंशदान राशि के साथ द्रस्ट द्वारा भुगतान किए गए वीमा श्रीमियम की राशि का समायोजन कर मृत्यु तक प्रत्येक वर्ष ही पंजी विविध की राशि दी जाएगी ।

मृत्यु दावे के निपटान के लिए (जैसा सं. 1 से 10 तक निर्धिष्ट किया गया है) द्रस्ट समय-समय पर आवश्यकतानुसार फार्म निर्धारित करेगा और जो आवश्यक समझा जाएगा वैसा नियम बनाएगा ।

19. सदस्यों द्वारा नामांकन :

किसी भी सदस्य को निर्धारित सीमा तक यूनिट धारक नामांकन कर सकता है या रद्द कर सकता है ।

20. यूनिटों का अंतरण :

योजना के अंतर्गत जारी किए गए यूनिटों का अंतरण उसे निरर्वत ही रखी जा सकती।

21. निवेश की सीमा :

द्रस्ट द्वारा योजना की निधि से कोई एक कम्पनी की प्रतिभूति में निवेश की राशि उक्त कम्पनी की बकाया राशि और जारी प्रतिभूतियों की राशि का 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

द्रस्ट के पूँजी में उक्त निवेशों की समय राशि नए औद्योगिक उपकरणों द्वारा आरम्भ में जारी किसी भी समय उक्त निधि की कुल राशि से 5% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

निर्धारित की गयी सीमा द्रस्ट के निवेशों में बांडों और छिपे-चरों और किसी कम्पनी की जमा राशियों सुरक्षित गा असुरक्षित में लागू नहीं होगी।

प्रवेश की आयु	आयु जहाँ से वार्षिकी आरम्भ होगी	आरम्भिक निवेश (₹)	मूलधन बकाया (₹)	वार्षिकी की राशि (₹ प्र० व०)
21	58	2,500	1,73,000	24,000
40	58	9,800	38,000	5,400
55	58	38,000	14,000	2,000

पूर्वानुमान :

- (1) पहले तैयार की गयी सारणी के अनुसार, प्रीमियम 55 वर्ष की आयु आरम्भ होने पर देय होगी। (अर्थात् 55वीं जन्म विवर पर)
 - (2) लाभ 58 वर्ष की आयु आरम्भ होने पर दिया जाएगा।
 - (3) शेष अवधि के लिए अवधिश्वर राशि 14% की दर से बढ़ेगी।
 - (4) वृद्धिकी संपूर्ण राशि (14%) वार्षिकी की रूप में भुगतान किया जाएगा। 55 वर्ष की आयु के बाद योजना में शामिल होने वालों के लिए (अर्थात् विशेष पेशकश अवधि के दौरान) वार्षिकी महीने दी जाएगी।
 - (5) सदस्य की इच्छानुसार बकाया मूलधन वापस कर दी जाएगी।
- (2) किन्तु यदि सदस्य अपने सारों में जमा कुल मूल्य वृद्धिरुशी को आहरण करना चाहता है, तो वह समाप्त लाभ का आहरण कर सकता है लेकिन 61 वर्ष की आयु की समाप्ति की तिथि के बाद की वार्षिकी को छोड़ना होगा।

प्रीमियम के भुगतान के बाद ऐसे सदस्य के नाम जमा यूनिटों का आहरण सदस्य द्वारा किया जा सकता है, उन सारों के अनुसार जो खंड 8 में दिए गए हैं।

23. चिकित्सा बीमा के लिए न्यू इण्डिया एश्योरेस कम्पनी निमिटेंड (एनआईएसी) के साथ ताल-मेल

द्रस्ट न्यू इण्डिया एश्योरेस कम्पनी निमिटेंड (एनआईएसी) के साथ आवश्यक व्यवस्था करेगा ताकि सदस्य योजना के अंतर्गत चिकित्सा सुरक्षा को प्राप्त करने के लिए अस्पताली लाभ निर्धारित बीमा तक पा सके।

22. वार्षिकी :

(1) 55 वर्ष की आयु से पहले योजना में शामिल होने वालों के लिए 58 वर्ष की आयु पूरा होने के बाद से एक वार्षिक लाभ गैर-अस्पताली व्ययों की भी पूर्ति के लिए प्राप्त होगा।

योजना के अंतर्गत निधि की वृद्धि पर वार्षिकी की राशि निर्भर करेगी और कभी आयु में योजना में शामिल होने पर यह अधिक होगी। मूल वृद्धि का परिकलन वार्षिक आधार पर किया जाएगा।

निम्नलिखित उदाहरण 3 विभिन्न निवेशों की 21, 40 और 55 वर्ष की आयु में योजना में शामिल होने पर उन्हें प्राप्त होने वाली वार्षिकी या योजना समाप्ति-लाभ दर्शाता है।

प्रवेश की आयु	आयु जहाँ से वार्षिकी आरम्भ होगी	आरम्भिक निवेश (₹)	मूलधन बकाया (₹)	वार्षिकी की राशि (₹ प्र० व०)
21	58	2,500	1,73,000	24,000
40	58	9,800	38,000	5,400
55	58	38,000	14,000	2,000

हाल-मेल व्यवस्था की ब्यौरे निम्ननिषित है जो एनआईएसी के साथ किये गये हैं :

(1) द्रस्ट और न्यू इण्डिया एश्योरेस कम्पनी लि. का, विशेष चिकित्सा नीति के अंतर्गत भारत में चुने हुए अस्पतालों के साथ विशिष्ट ताल-मेल होगा जिसके अंतर्गत योजना के सभी सदस्य चुने गए अस्पतालों में चिकित्सा इलाज पाने के पात्र होंगे और निर्धारित सीमा तक भुगतान एनआईएसी द्वारा सीधे निपटाए जाएंगे।

(2) द्रस्ट प्रत्येक सदस्य को परिचय पत्र देगा जिसमें उपलब्ध लाभ, चिकित्सा बीमा सुरक्षा की सीमा, हाल ही के फोटो, नाम, जन्म की तिथि और सदस्य और पति/पत्नी के हस्ताक्षर के ब्यौरे होंगे। सदस्य को एक लागू-बुक भी दी जाएगी। जिसके प्रत्येक इलाज के लिए रुचि किए गए चिकित्सा व्यय के साथ संबंधित अस्पताल/नैसिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/बन्दर समान संस्था द्वारा लागू-बुक में अध्यरूप प्रविष्टियां रहेंगी।

जिस अस्पताल के साथ भारतीय यूनिट द्रस्ट की विशेष व्यवस्था रहेगी, सदस्य को वहाँ चिकित्सा बीमा सुरक्षा की अधिकतम राशि के अधीन सथा अस्पताली चिकित्सा इलाज के लिए रुचि की

(1) “सदस्य और पति/पत्नी के एक संयुक्त परिनय पत्र प्रदान किया जाएगा जिसमें एक लागू-बुक भी रहेगा जिसमें हर बार कराए गए इलाज का अद्यतन दिवरण होगा। काउंट में सभी आवश्यक ब्यौरा होंगा जैसे :—नाम, वर्ता, उम्र, फोटो, सदस्य और उनके/उनकी पति/पत्नी दोनों के हस्ताक्षरों के नम्बर, योजना अवधि, चिकित्सा सुरक्षा की सीमा आदि” के लिए दिनांक 13-5-1993 के प्रतिस्थापित।

गयी राशि जो कार्ड में दर्शाए गए हैं, को धटाकर जैसा ऐनआई एसी की नीतिगत मर्बों में उल्लिखित है, रजपत्र भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। सबस्य को उपलब्ध थोष राशि के अधीन भुगतान, यू इण्डिया एस्योरेंस कम्पनी लिमिटेड द्वारा सीधे अस्पताल के अस्पताल द्वारा दावे की तिथि से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। अस्पताल संबंधित बिल अदायगी के लिए परिचय पत्र के बौरे और इलाज संबंधी व्यय का विचरण दर्ते हुए ऐनआईएसी को भेजेगा। भारतीय यूनिट ट्रस्ट इसके लिए गारण्टीकर्ता के रूप में रहेगा। उपलब्ध सीमा से अधिक व्यय (जैसा कि कार्ड में अंकित किया गया है) भुगतान, अस्पताल के सदस्य द्वारा सीधे किया जाएगा। साथ ही ऐसे इलाज में जिसमें 24 घंटे से कम समय के लिए अस्पतालीकरण की आवश्यकता हो, के लिए भुगतान सदस्य द्वारा अस्पताल को सीधे किया जाएगा।

आयलीसिस, केमोथेरेपी रोडिओथेरेपी जैसे इलाज [1] [लेजर बीमा इलाज और लिथोट्रिप्सी प्रवृत्ति द्वारा गुरुदा पथरी निकालना] अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/किसी अन्य समान संस्था में किया जाता है और बीमाकृत व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर जाने की अनुमति दी जाती है, चिकित्सा बीमा सुरक्षा पाने का पात्र होगा।

सदस्य द्वारा किए गए निम्नलिखित सर्वों के लिए ऐनआईएसी भुगतान नहीं करेगा।

(क) क्षति या रोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उत्पन्न या उद्भूत या यूद्ध के दौरान हमला, विदेशी दूशमनों के कार्य, यूद्ध के समान आपरेशन (जाहेर यूद्ध थोपित किया हो या नहीं)।

(ख) नेपी सर्व से आंच की जांच और चश्मे और कान्टाकट लेन्स पर हुए सर्व।

(ग) बांतों के इलाज या किसी भी प्रकार की शल्य चिकित्सा जिसमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता न थी।

(घ) स्वास्थ्य लाभ, साधारण कमजोरी, “दुर्बल स्थितियाँ” तथा आराम चिकित्सा, सहज बाहरीय कमी या अनोमालाओं, बन्धता रोग, रतिज, नशीली द्वाओं का प्रयोग।

(ङ) अस्पताल या नर्सिंग होम में रोग के निदान के लिए प्रारम्भ में लिए जाने वाले एक्स-रे या प्रयोगशाला में परीक्षण या अन्य जांच पड़ताल सम्बन्धी वृद्धयन जो आवश्यक नहीं था या जांच पड़ताल के लिए अनुसंगकि या पार्जिटिव रहने का इलाज या किसी बीमारी का होना या क्षति जिसके लिए अस्पताल, नर्सिंग होम में रहना अपेक्षित है।

(च) विटमिन और टानिक पर हुए सर्व जब तक कि इलाज करने वाले चिकित्सक द्वारा प्रमाणित न हो।

[1] 13-5-93 को छोड़ा गया।

कि क्षति या बीमारी के इलाज के लिए यह आवश्यक है।

(छ) आणविक हथियारों द्वारा हुई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष क्षति या रोग।

(ज) नैसर्जिक प्रवृत्ति से उपचार।

(झ) (1) [एक्सायर्ड इम्बून डिफिसिएन्सी सिन्जरोम (एड्स) और उससे सम्बन्धित कोइर शर्त ।]

(झ) (2) [अस्पताल में भर्ती होने के पूर्व और जब में हुए शर्त ।]

ऐनआईएसी को यह अधिकार है कि वे किसी भी चिकित्सक को अधिकृत कर सकता है कि वे सदस्य की जांच करें विशेषकर एवं जब कि उक्त रोग या क्षति के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होना अपेक्षित है।

(३) [किसी दावे के बारे में भुगतान जो धोखेभूती से किया जाता है या कोइर धोखा पूर्ण उपाय से किसी सदस्य द्वारा या किसी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के बदले अपने को बताने पर, ऐनआईएसी द्वारा, अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/कोइर अन्य समान संस्था को भुगतान किया जाता है किन्तु ऐनआईएसी को यह राशि ट्रस्ट से वापस लेने का अधिकार रहेगा। वैसे सदस्यों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्ती जाएगी और उसे प्लान को कोइर लाभ नहीं मिलेगा।] सभी दावे का भुगतान भारतीय भूमा में किया जाएगा।

(३) उपर लिखित 23 निर्दिष्ट शहरों में सूचिता चुने गए अस्पतालों में ही उपलब्ध होनी जिसके साथ भारतीय यूनिट ट्रस्ट की विशेष व्यवस्था होगी। (४) [ट्रस्ट प्लान के अंतर्गत सूखा कों जुलाई 1994 तक विस्तृत करने के लिए प्रयत्न करेगी ताकि सभी शहर/नगर जिसकी जनसंस्था 5 लाख से अधिक हो को भी समिल किया जा सके।]

(१) “एज्स या एचआईवी के कारण हुई कोइर बीमारी” के लिए दि. 13-5-93 को प्रतिस्थापित।

(२) दि. 13-5-1993 को जोड़ा गया।

(३) “एनआईएसी किसी ऐसे भुगतान के लिए उत्तरवायी नहीं होगा जो किसी दावे से सम्बन्धित हो जो किसी प्रकार धोखेभूती से संबंधित हो, और धोखा पूर्ण तरीके से समर्पित हो, किसी सदस्य द्वारा या सदस्य द्वारा समर्पित किसी व्यक्ति द्वारा” दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित।

(४) ट्रस्ट कुछ समय के बाद इस थोड़ा को अन्य शहरों में और अस्पतालों में लागू करने का प्रयास करेगा। “दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित।”

(4) आवश्यक आयु पूरा करने पर सदस्य और परिवहनी/पत्नी वालों को चाहे परिवहनी/पत्नी की उम्र कुछ भी हो, चिकित्सा बीमा लाभ उपलब्ध होगा।

(5) प्रत्येक बीमारी के लिए अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक की चिकित्सा बीमा सुरक्षा मिलेगी।

(1) एनआईएसी के साथ समझौता ज्ञापन और एनआईएसी के साथ विपक्षीय करार और अस्पताल/निसींग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/अन्य समाज संस्था का अन्तिम व्यय अध्यक्ष का कार्यपालक न्यासी द्वारा निश्चित की गई रूपों और नियमों के अनुसार किया जाएगा।

24. प्रीमियम की भुगतान की विधि :

55 वर्ष की आयु के पहले योजना में शामिल होने वाले सदस्यों के लिए 55 वर्ष की आयु की समाप्ति के तुरंत बाद प्रीमियम आरंभ होगी (अर्थात् 55वीं जन्म दिन पर) योजना में 55 वर्ष की आयु के बाद शामिल होने वाले सदस्यों के लिए प्रीमियम भुगतान पहले वर्ष से ही आरंभ होगा।

जोखिम आरंभ होने से पहले 60% प्रीमियम का भुगतान किया जाएगा। आवश्यक यूनिटों की पुनर्वरीव द्वारा या अंशदान राशि की मूल्य वृद्धि से या वरों से सदस्य ट्रस्ट को न्यूइंडिया इश्योरनेस कं. को भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करेगा।

25. प्रीमियम के भुगतान की विस्तृत अनुसूची :

प्रीमियम राशि का भुगतान एनआईएसी को 7 किलों में किया जाएगा।

55 वर्ष की आयु के बाद योजना में शामिल होने वाले सदस्यों के लाए अर्थात् 56, 57, 58, 59 और 60 वर्ष की आयु में प्रवेश करने पर छूटरे वर्ष की समाप्ति पर आरंभ होने वाले जोखिम के पहले प्रीमियम के 3 किलो दरे होंगे और इसके बाद प्रीमियम के शेष 4 किलो।

55 वर्ष की आयु तक योजना में पहले शामिल होने वाले सदस्यों के लिए जोखिम आरंभ होने से पहले प्रीमियम के चार किलो दरे होंगे। अर्थात् 55, 56, 57 और 58 वर्ष की आयु होने पर और शेष तीन जोखिम आरंभ होने के बाद 59, 60 और 61 वर्ष की आयु होने पर।

26. डी आर एफ अंशदान और अन्य सुविधाएं :

योजना के अन्तर्गत संग्रहित निधि के 0.25% गशि डी आर एफ के अंशदान के रूप में अलग रखी जाएगी।

(1) समझौता ज्ञापन को उक्त व्यवस्था को कार्यरूप देने के लिए (एनआईएसी और अस्पताल/निसींग होम के साथ) उक्त शर्तों को नियमित बिन्दुओं के अनुसार अन्तिम रूप विद्या जाएगा जो अध्यक्ष या कार्यपालक न्यासी द्वारा निश्चय किया जाएगा। दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित।

अन्य प्रत्येक/अप्रत्येक सुविधाएं योजना के अन्तर्गत वरिएट नामिकों के लिए प्रदान की जाएगी और अनुदान तथा व्यय डी आर एफ से किए जाएंगे।

27. पुनरीक्षण खण्ड :

तीन वर्षों की समाप्ति पर प्रीमियम दर और सुरक्षा राशि का पुनरीक्षण किया जाएगा और इसके बाद दूसरे वर्षों की समाप्ति पर।

28. खातों का प्रकाशन :

ट्रस्ट यथाशीघ्र जो प्रत्येक वर्ष 30 जून के बाद की अवधि हो सकती है, बोर्ड द्वारा निश्चित की गयी विधि से लेखों को प्रकाशित करेगा जिसमें उस तिथि को समाप्त अवधि के दबारान योजना का कार्य प्रवर्द्धित किया जाएगा। ट्रस्ट किसी यूनिट धारक से लिखत रूप से प्राप्त अनुरोध पर प्रकाशित लेखों की एक प्रति उसे भेजेगा।

29. योजना में परिवर्धन और संशोधन :

समय-समय पर बोर्ड योजना में कोई परिवर्तन/संशोधन कर सकता है जो सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

30. योजना की समाप्ति :

ट्रस्ट अपनी इच्छानुसार योजना पूर्ण रूप से समाप्त कर सकता है। योजना की समाप्ति की विधि में समाप्ति की निर्दिष्ट तिथि के बाद किसी भी नये प्रवेशी को योजना में शामिल होने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस सदस्य का नाम पंजी में निर्दिष्ट होने वाली तिथि से प्रविष्ट किया गया है, उनकी बकाया यूनिटों के ट्रस्ट द्वारा निश्चित की गयी दर पर पुनर्वरीद नीं जाएगी। प्रमाण-पत्र तथा इसके/उनके पृष्ठ भाग में विद्या गए फार्म को पूरा भरकर प्राप्त होने के बाद सदस्य को यथाशीघ्र राशि का भुगतान किया जाएगा। पुनर्वरीद के लिए प्राप्त सदस्यता प्रमाण-पत्र को ट्रस्ट द्वारा नष्ट करने के लिए रखा जाएगा। जब ट्रस्ट योजना की समाप्ति का निश्चय करता है, यह निर्णय सदस्य पर बाध्यकारी होगा और योजना को जारी रखने के लिए ट्रस्ट से अनुरोध करने का अधिकार उन्हें नहीं होगा।

31. सदस्यों के लिए योजना का बाध्यकारी होना :

समय-समय पर किए जाने वाले संशोधन सहित इस योजना की शर्तें प्रत्येक सदस्य और प्रत्येके अन्य व्यक्ति जो उनके माध्यम से दावा करते हैं, स्पष्ट रूप से स्पीकार किए हैं कि वे इस रूप में उन पर बाध्यकारी होंगी।

32. बिक्री का स्थगन या समाप्ति :

योजना के अन्तर्गत यूनिट बिक्री के लिए ट्रस्ट किसी भी समय अपनी इच्छानुसार प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में 7 दिनों की नोटिस देकर बिक्री स्थगित या समाप्त कर सकता है।

33. उपलब्ध करायी जाने वाली योजना की प्रति :

सभी संशोधनों सहित योजना की एक प्रति दृस्ट के कार्यालयों में कार्यालय समय के दौरान 5/- रु. का भुगतान करने पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध करायी जाएगी।

34. सदस्यों को लाभ :

योजना के अन्तर्गत आरक्षित पंजी और अधिशेष से प्राप्त सभी लाभ, को यदि योजना की समाप्ति के समय उपलब्ध हो, को समाप्ति के समय यूनिट भारण करते वाले सदस्यों को बीच और जिनके नाम पंजी में प्रविष्ट है, वितरित की जाएगी।

35. प्रावधानों के अर्थ लगाने का अधिकार :

शैक्षि किसी भी प्रावधान के स्पष्टीकरण में कोई रांदड़े उत्पन्न होता है, तो अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी को योजना के प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार होगा जो योजना की आधारभूत संरचना के विपरीत या किसी रूप में प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला नहीं होगा और यह निर्णय अंतिम होगा।

36. प्रावधानों का शिथिलीकरण/परिवर्तन/संशोधन :

दृस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से या योजना के सहज गारिधान के लिए योजना के किसी प्रावधान को शिथिल/परिवर्तित या संशोधित कर सकते हैं जिन मामलों में किसी यूनिटधारक या यूनिटधारकों के बारे के लिए आवश्यक समझा जाएगा।

फार्म ए

भारतीय यूनिट दृस्ट

वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना-1993

सदस्यता प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस प्रमाण-पत्र में नामित व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के सदस्य हैं और वे इसमें उल्लिखित यूनिटों के, जिसके प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य वसा रुपये है, भारतीय यूनिट दृस्ट अधिनियम 1963 (63 का 52) के प्रावधानों के अधीन तथा इसके अन्तर्गत बनाये गये विनियमों और वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना-1993 (एस रीयूपी-93) के अन्तर्गत बनायी गयी वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के पंजीकृत धारक हैं।

अहसानउररहीय

सदस्यता प्रमाण-पत्र सं.

यूनिटों की संख्या (प्रति यूनिट 10/- रु. के अंकित मूल्य की दर से)*

यूनिट धारक का नाम :

कृते भारतीय यूनिट दृस्ट

वस्त्रहरू

दिनांक :

कार्यपालक न्यासी

अध्यक्ष

* योजना के अन्तर्गत चिकित्सा बीमा लाभ

55 वर्ष की आयु के पहले शामिल होने वालों के लिए :

55 वर्ष की आयु के पहले योजना में शामिल होने वाले सदस्य 58 वर्ष की आयु से 2.5 लाख रुपये चिकित्सा लाभ सुरक्षा पाने के पात्र होंगे। यह लाभ सदस्य के लिए या दोनों सदस्य और पति/पत्नी के लिए उपलब्ध है। 61 वर्ष की आयु के बाद वे पूर्व में किए गए किसी दावे का समायोजन करने के बाद 5 लाख रुपये की सुरक्षा के पात्र होंगे।

55 वर्ष आयु के बाद योजना में शामिल होने वाले के लिए :

55 वर्ष की आयु के बाद अपने पति/पत्नी के साथ योजना में शामिल होने वाले सदस्य योजना में शामिल होने के दो साल बाद 2.5 लाख रुपये के चिकित्सा लाभ सुरक्षा पाने के पात्र हैं और यह सीमा (पूर्व में किए गए किसी दावे का समायोजन करने के बाद) 6 वर्षों के बाद बढ़कर 5 लाख रुपये तक हो जाएगी।

* वार्षिकी :

55 वर्ष की उम्र के पहले योजना में शामिल होने वाले सदस्यों को 58 वर्षों की उम्र होने पर दृस्ट द्वारा घोषित दरों पर नार्षिक लाभ दिया जाएगा। 55 वर्ष की उम्र के बाद योजना में शामिल होने वालों के लिए कोई वार्षिक लाभ नहीं है।

* प्रत्येक पति/पत्नी की प्रत्येक बीमारी पर 1.50 लाख रुपये तक दिये जाएंगे।

टिप्पणी :

सदस्यता की वापसी का आवेदन-पत्र संलग्न है।

सदस्यता से वापसी का फार्म

दिनांक :

भारतीय यूनिट दृस्ट

मैं, _____ भारतीय यूनिट दृस्ट के वरिष्ठ नागरिक यूनिटों की पंजीकृत भारक हूँ और मैं योजना से वापसी के लिए इच्छुक हूँ। सदनुसार मैं इस आवेदन के मंदर्भ में स्वीकृति तिथि को विद्यमान दर पर भारतीय यूनिट दृस्ट द्वारा पुनर्वरीद का प्रसाव करता हूँ।

यूनिटों के मूल्य का भुगतान मुझे * चैक/बैंक डाक्ट द्वारा मेरे सर्वे पर किया जाए और पंजीकृत डाक ब्लारा मेरे सर्वे पर नीचे दिए गए पते पर भेज दिया जाए।

सदस्य का हस्ताक्षर

साक्षी का हस्ताक्षर :

ध्यवसाय :

पता :

कार्यपालक न्यासी के प्रयोग के लिए

स्वीकृति तिथि

*जो नाम नहीं उसे काट दें।

वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान के प्रावधान

भारतीय यूनिट द्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 19 (1) (8) (सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय यूनिट द्रस्ट का न्यासी बोर्ड एवं द्वारा निम्नलिखित प्लान यनाता है। यह प्लान 'वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान' कहा जाएगा और (1) 3 मई 1993 से आरम्भ होगा।

यह प्लान वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के अन्तर्गत जारी यूनिटों पर लागू होगा और/या अन्य किसी योजना के अन्तर्गत जिसे द्रस्ट इसके बाद बनाएगा और जिस पर प्लान के साथ करेगा।

उद्देश्य

वर्तमान समय में सेवा निवृत्ति के बाद विशेषकर, व्यक्तियों द्वारा अस्पताल में होने वाले रुचार्च से सरक्षा प्रबान करने के लिए देश में कोई चिकित्सा सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा की आवश्यकता को धारा 3 से रखते हुए और मंडगी चिकित्सा मंड़भी अस्पताल व्यवस्था से सरक्षा के लिए, द्रस्ट ने वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान, वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के अनुसार आरम्भ किया है। इस प्लान का मल उद्देश्य है, व्यक्तियों को अपनी बचत जटाने के लिए महायता करना साकि वरिष्ठ नागरिक बनने पर अपने लिए और पति/पत्नी के लिए ये मनिषित चिकित्सा और अस्पताली लाभ का आनन्द प्राप्त कर सके।

(1) सहभागिता के लिए पात्रता

यूनिटों के लिए आवेदन एकल रूप में 21-55 की आय वर्ग के निवासी व्यक्तियों द्वारा ही किया जा सकता है। (अर्थात् संयुक्त आवेदनों की अनुमति नहीं होगी) भले ही लाभ होने सदस्य और पति/पत्नी के लिए उपलब्ध है। आरम्भक विशेष पेशकश अवधि के दौरान 60 वर्ष की आय तक के व्यक्तियों के लिए अनुमति दी जाएगी।

(2) [इस अधिक के दौरान, यदि, सदस्य ने योजना में शामिल होने के समय 55 वर्ष की आय पूरी की हो, तो पति/पत्नी की आय 60 वर्ष से अधिक नहीं होगी।]

योजना के अन्तर्गत परिभावित आवेदक हसके बाद 'सदस्य' कहलाएगा।

(2) यूनिटों की विक्री के लिए पेशकश

आरम्भक स्थिति में, प्लान के अन्तर्गत यूनिट (3) [3 मई से 25 जन 1993] तक विक्री के लिए बली रहेगी और अंतिरिक्त पेशकश की बिक्री प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी से 31 पर्याप्त होगी या तिकी भी 3 महीनों की अवधि के लिए होगी जैसा द्रस्ट द्वारा समय-समय पर निश्चय किया जाएगा। प्रत्येक यूनिट का अधिकतम मूल्य 10 रुपये होगा। योजना के अन्तर्गत निवेश (4) [10] यूनिटों की गणजों में होगा निर्भारित न्यूनतम

(1) 19 अप्रैल 1993 के लिए इतिम्पाति।

यूनिटों की संख्या के अधीन ही होगा, जो प्लान में शामिल होने के समय सदस्य की आय के अनुसार अलग-अलग होगा या ऐसे अन्य न्यूनतम यूनिटों की संख्या जैसा निर्भारित किया गया है। निवेशक जिसकी आय 21 वर्ष की होगी को न्यूनतम 2500/- रुपये निवेश करना होगा, 55 वर्ष के निवेशक को न्यूनतम 38,000/- रुपये निवेश करना होगा और 60 वर्ष की आय के अधिक जो आरम्भक पेशकश अवधि के दौरान शामिल होता है, उन्हें 34,200/- रुपये का निवेश करना होगा, 5 लाख रुपये की चिकित्सा बीमा सुरक्षा पाने के लिए।

सदस्य द्वारा न्यूनतम निवेश जैसा कि सारणी में उल्लिखित है (योजना के अन्तर्गत दिया गया है) प्रवेश की स्थिति में सदस्य की आय के अनुसार इस प्रकार होगा कि सदस्य और पति/पत्नी अधिकतम 5 लाख रुपये तक चिकित्सा सुरक्षा पाने के पाव होंगे।

(3) भूगतान

आवेदक द्वारा आवैदत यूनिटों के लिए भूगतान आवेदन-पत्र के ग्राथ नकद चेक ड्रॉफ्ट द्वारा किया जाएगा। चेक और ड्रॉफ्ट उन शहरों के बैंक की शास्त्राओं पर आलूरित होंगे जहां पर द्रस्ट कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है और बैंक 'रेखा-कित खाता आवाता' ही होगा। यदि भूगतान चेक द्वारा किया जाता है, ऐसे चेक की राशि की प्राप्ति होने के अधीन स्वीकृति तिथि, द्रस्ट के किसी भी कार्यालय द्वारा या विनिर्दिष्ट बैंक की शास्त्रा में, चेक प्राप्त की गयी तिथि होगी। यदि भूगतान ड्रॉफ्ट द्वारा किया जाता है, ऐसे ड्रॉफ्ट की राशि की प्राप्ति होने के अधीन स्वीकृति तिथि, ड्रॉफ्ट जारी करने की तिथि होगी बशत् कि आवेदन-पत्र उपर्युक्त समय के अन्दर द्रस्ट के कार्यालय में या निर्दिष्ट बैंक की शास्त्रा में प्राप्त किया रखा हो।

(4) आवेदन-पत्र की स्वीकृति पर एक रसीद या पावती द्रस्ट द्वारा जारी की जाएगी।

(ग) द्रस्ट तथा शीघ्र प्रत्येक सदस्य को उसे योजना में प्रवेश के बारे में सदस्यता सं. के साथ सूचित करेगा। द्रस्ट के साथ सभी पत्रव्यवहार में सदस्य अपनी सदस्यता संख्या वा उल्लेख करेगा।

(ज) योजना के अन्तर्गत यूनिटों की खरीद के लिए राजस्य को सदस्यता प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

(4) सदस्यता से आहरण

55 वर्ष की आय के पहले योजना में शामिल होने वाले सदस्यों को प्रत्येक यूनिटधारण खाता न्यूनतम 1 वर्ष के लिए रखना होगा। आवेदन-पत्र की तिथि से 1 वर्ष की अवरुद्ध अवधि के बाव 3

(2) 13-05-1993 को जोड़ा गया।

(3) "19 अप्रैल से 31 मई 1993" के लिए दि. 13-5-93 को प्रतिस्थापित किया गया।

(4) "100" के लिए 13-05-93 को प्रतिस्थापित किया गया।

वर्ष की समाप्ति तक सदस्य योजना से आहरण कर सकता है और उसे प्रशासनिक और लागत की 5% छटाकर अंशदान वापस कर दिया जाएगा। 3 वर्ष की समाप्ति के बाद, सदस्य किसी भी समय आहरण कर सकता है और अंशदान राशि के योग्य राशि अवधि की जाएगी, यदि कोई दीमा प्रीमियम हो, का समायोजन करने के बाद 10% प्रति वर्ष की वर पर परिकलित की जाएगी। यह मूल्य वृद्धि की वर प्रत्येक दो वर्ष में पुनरीक्षित की जाएगी। ट्रस्ट को आहरण के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की विधि के पूर्व कैलेन्डर वर्ष की पिछली तिमाही की समाप्ति तक राशि देय होती। 55 वर्ष की आय के बाद विशेष पेशकश अवधि के दौरान योजना में शामिल होने वाले सदस्यों को यह पनर्सरीद स्विधा उपलब्ध नहीं होती। जून माह में कोई पनर्सरीद/आहरण नहीं किया जाएगा जब सदस्यों के रजिस्टर लेख प्रयोजनों के लिए बन्द किया जाता है।

(5) मृत्यु दावा

(1) सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में, परिवर्तन-पत्री जिसका नाम ट्रस्ट के पास पंजीकृत है को अपने/अपनी हिस्से के साथ प्लान में जारी रखने या प्लान आहरण करने की अनुमति दी जाएगी।

(2) जिस सदस्य ने अपने पति/पत्नी के व्यौरे नहीं दिए हैं, की मृत्यु होने की स्थिति में और दोनों सदस्यों और पति/पत्नी सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में नामिती को ही दिना किसी प्रश्न को ट्रस्ट सदस्यता प्रमाण-पत्र/पत्रों में दिए गए यूनिटों पर हित/अधिकार मानेगा।

(3) जिस सदस्य ने पति/पत्नी का व्यौरा नहीं दिया है उनके द्वारा वैध नामांकन के अभाव में, मतक सदस्य का प्रशासक या कार्यपालक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के भाग X के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र का कोई धारक ही केवल ऐसा व्यक्ति होता जो ट्रस्ट द्वारा भाला जाएगा कि उसका यूनिटों पर अधिकार है।

(4) किसी यूनिट धारक की मृत्यु/दिवालिया होने के कारण किसी आविक्त की यूनिटों का स्वत्वाधिकारी होने पर सथा उसे अधिकारी होने के साक्ष्यों को प्रस्तुत करने पर जिसे ट्रस्ट पर्याप्त समझेगा, सदस्य के रूप में ट्रस्ट के पंरी में पंजीकृत करने पर विचार करेगा।

(5) योजना में शामिल होने के बाद 1 वर्ष की अवरुद्ध अवधि के दौरान किसी भी समय सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में ट्रस्ट दावेदार को प्रशासन और अन्य लागत के लिए 5% छटाकर, अंशदान का भुगतान करेगा।

(6) 55 वर्ष की आय के बाद सदस्य और पति/पत्नी की सत्य होने की स्थिति में और लाभ अवधि के आरम्भ होने के पहले, दावेदार, नामिति/वैध उत्तराधिकार को अंशदान राशि के साथ प्रत्येक वर्ष के लिए लागू मूल्य वृद्धि का भगतान किया जाएगा।

(7) लाभ अवधि (अर्थात् 58 वर्षों की उम्र के बावजूद) की शुरू-बात के बाद पति/पत्नी और सदस्य दोनों की मृत्यु होने की स्थिति में, वैध उत्तराधिकारी/नामिती को समाप्ति लाभ (टर्मिनल बैनिफिट) के बराबर की राशि का भुगतान किया जाएगा जैसा योजना के लिए 22 (2) में संदर्भित है और उकां पालिसी के संबंध में कोई अन्य प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाएगा।

(8) प्रीमियम शुरू होने के बाद मृत्यु होने पर कोई प्रीमियम की वापसी नहीं की जाएगी।

(9) सदस्य की मृत्यु की स्थिति में यदि पति/पत्नी में कोई परिवर्तन होता हो और इसे ट्रस्ट को संचित नहीं किया गया हो, तो वैध उत्तराधिकारी/नामिती प्लान के अंतर्गत निवेश का आहरण कर सकते हैं। नया पति/पत्नी प्लान के अंतर्गत चिकित्सा सुरक्षा पाने के हकदार नहीं होते।

(6) नामांकन :

विनियमों में दी गयी सीमा तक सदस्य नामांकन कर सकते हैं या रद्द कर सकते हैं।

(7) अंतरण

योजना और इसके बाद ढानाए गए प्लान में जारी की गयी यूनिटों का अंतरण नहीं किया जा सकता या गिरवी नहीं रखी जा सकती।

(8) प्लान में परिवर्धन और संशोधन

समय-समय पर बोर्ड योजना में परिवर्धन कर सकता है जो अन्यथा संशोधित कर सकता है तथा ऐसा कोई संशोधन, सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

(9) प्लान की समाप्ति

ट्रस्ट की इच्छानामांकन सार प्लान को परी तरह से समाप्त किया जाएगा। प्लान की समाप्ति की स्थिति में समाप्ति की निर्दिष्ट तिथि के बाद किसी भी नये प्रयोगी को प्लान में शामिल होने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस सदस्य का नाम पंजी में निर्विष्ट होने वाली तिथि में प्रविष्ट किया गया है उसके बाकाया यूनिटों को ट्रस्ट द्वारा निश्चित की गयी दर पर पनर्सरीद की जाएगी। प्रमाण-पत्र तथा इसके पछ भाग में दिए गए फार्म को परी भर कर प्राप्त होने के बाद सदस्य को यथाधीघ राशि का भुगतान किया जाएगा। पनर्सरीद के लिए प्राप्त सदस्यता प्रमाण-पत्र को ट्रस्ट द्वारा नष्ट करने के लिए रखा जाएगा। जब ट्रस्ट प्लान की समाप्ति का निश्चय करता है, तब निर्णय सदस्य पर आधिकारी होता जाएगा और प्लान को जारी रखने के लिए ट्रस्ट को राजी करने का उन्हें हक नहीं होता।

(10) दावेदारों के लिए बाध्यकारी योजना

समय-समय पर किए गए संशोधनों स्वित हम योजना की शर्तों, प्रत्येक व्यक्ति पर और उनके द्वारा दावा करने वाले अन्य कोई व्यक्ति पर आधिकारी होता जाएगा। मानों उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि वे उनके लिए बाध्यकारी हैं।

(11) योजना के प्रावधान के अधीन प्लान के प्रावधान

यूनिटों के अंतर्गत हित की प्राप्ति के लिए इस प्लान के अंतर्गत धारित या अर्जित किसी यूनिट के संबंध में प्लान के प्रावधान को वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के प्रावधानों के अधीन पढ़ा जाए।

(12) प्लान की प्रति उपलब्ध कराना

इस प्लान की एक प्रति सभी संशोधनों सहित ट्रस्ट के कार्यालय में व्यवसाय समय के दौरान निरीक्षण के लिए उपलब्ध करायी जाएगी और आवेदन-पत्र बनें तथा 5/- रु. की राशि जमा करने पर किसी भी व्यक्ति को इसकी प्रति दी जाएगी।

STATE BANK OF INDIA
(CENTRAL OFFICE)

Bombay, the 2nd August 1993

SBD. No. 10/1993.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Central Government and Reserve Bank of India, nominated Shri N. K. Bhat, 'Dwaraka', 1685, 30th Cross, 15th Main, Banashankari II Stage, Bangalore 560070, as director on the Board of Directors of State Bank of Mysore for a period of three years with effect from 2nd August 1993 to 1st August 1996 (both days inclusive) in place of Dr. D. M. Nanjundappa.

Sd./- ILLEGIBLE
Chairman

SBD. No. 11/1993.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India, nominated Shri Amal Datt Dhru, Chartered Accountant, 'Vatsalya', 3, Brahman Mitra Mandal Society, Manzaldas Road, Ellis Bridge, Ahmedabad-6, as director on the Board of Directors of State Bank of Saurashtra for a period of three years with effect from 2nd August 1993 to 1st August 1996 (both days inclusive) in place of Dr. B. H. Dholakia.

Sd./- ILLEGIBLE
Chairman

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Bombay-400005, the 7th July 1993

No. 3WCA(5)20/92-93.—With reference to the Institute's Notification No. 3WCA(4)5/92-93 dated 1st December, 1992 and 3WCA(4)/7/92-93 dated 26th February, 1993 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulation, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulation, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Member with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following persons :

Sl. No.	MRN	Member Name & Address	Rest. Date
1.	014971	Mr. Desai Anil Harshadrai, FCA 19, Malaviya Road Vile Parle East, Bombay 400 057.	01-10-92
2.	004345	Mr. B. Venkata Viswesware Rao, ACA D-1/21 Khira Nagar, S.V. Road, Santacruz West, Bombay-400 054.	01-10-92

A. K. MAJUMDAR
Secretary

(13) प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार

योजना के किसी प्रावधान के स्पष्टीकरण में यदि कोई संदेह होता है तो अधिकार या उनकी अनुपस्थिति में कार्यालय न्यासी को योजना के प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार रहेगा। किन्तु यह अर्थ लगाना योजना की आधारभूत संरचना के विवरण न जाती हो या किसी रूप में पूर्णांगपूर्ण न हो तथा यह निर्णय अनिम और निनायिक होगा।

(14) प्रावधानों का शिथिलीकरण परिवर्तन/संशोधन

ट्रस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यालय न्यासी, कठिनाईयों को कम करने के उद्दिष्टकोण से या योजना के सहज परिचालन के लिए उन मामलों में जिनमें कोई यूनिटधारक या यूनिटधारकों का वर्ग शामिल हो, वे पते—जो उचित समझी जाती हैं, प्लान के किसी प्रावधान को शिथिल परिवर्तन या संशोधित कर सकते हैं।

Calcutta, the 26th July 1993

No. 3ECA/5/1/93-94.—With reference to the Institute's Notification Nos. 3SCA/4/3/92-93 dt. 27-11-92, 3ECA/4/3/92-93 dt. 22-1-93 & 4ECA/15/81-82 dt. 25-2-82, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulation, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulation, the Council of Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members the names of the following members w.e.f. the dates mentioned against their names.

Sl. No.	Name & Address	Date of Restoration
1. 13116	Mr. Kar Byomkes, ACA Dy. Gen. Manager (Finance) I.D.C. of Orissa Ltd. Bhubaneswar-751009.	08-04-93
2. 14152	Mr. Jain Arun Kumar, FCA 33 Burtolla Street Calcutta-700 007.	01-10-92
3. 51672	Mr. Mohan J. ACA Financial Controller Alghanim Industries P.O. Box 223 Safat 13003 Kuwait.	01-10-92
4. 52181	Mr. Roy Sukdeb, FCA 7 Nilmoni Dutta Lane Calcutta-700 012.	01-10-92
5. 53726	Ms. Singh Chetana Adyaprasad, ACA F/7 Godfrey Mansion II South Eastern Railway Colony Garden Reach Calcutta-700 043.	05-05-93
6. 54629	Mr. Kedia Gopal Kumar, ACA C/o Pranaw Kumar Kedia Gr. floor 20/2B, Motilal Bysack Lane Calcutta-700 054.	12-04-93

A. K. MAJUMDAR
Secretary

(DECENTRALISED SECTION)

Kanpur-208001, the 15th June 1993

No. 3CCA(4) (2)/93-94.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulation, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20 (1) (c) of the Chartered Accountants Act 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of non-payment of prescribed fees, the names of

the following members with effect from the date mentioned against their names :—

S.I.	M. No.	Member Name & Address	Canc. Date
1.	026618	Mr. A. M. Sundar Usha Rectifier Corporation India Ltd., UPSIDC Industrial Area, Distt: Nainital, Bhimtal-263136	01-10-92
2.	070407	Prem Behari Mathur 15/247 A Civil Lines, Kanpur.	01-10-92
3.	70148	Mr. Rajendra Kumar Jain Rajendra Hotel Building, Palimarwar (Raj)	01-10-92

A. K. MAJUMDAR
Secretary

The 15th July 1993

No. 3CCA (4) (3)/93-94.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by section 20(1) (a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death the names of the following members with effect from the dates mentioned against their names :

S.	MRN	Member's Name & Address	Canc. Date
1.	007735	Mr. Jagdeesh Prasad Shreevastava 110 Usha Nagar Colony Dashera Maidon Road Indore-0	18-04-93
2.	028975	Mr. R. Srisallam Room No. 51 Hostel 3 BHEL Piplani Bhopal-462 021	08-03-93
3.	016615	Mr. Prakash Chand Mehta 2337 Ramlala Street Johari Bazar Jaipur-302003	24-12-92

A. K. MAJUMDAR
Secretary

**CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION
(A GOVT. OF INDIA UNDERTAKING)**

New Delhi-16, the 15th July 1993

NOTICE

No. CWC - III-17/37/93-B&C.—In pursuance of Rule 13 of the Central Warehousing Corporation Rules, 1963, the name and address of the Director elected un-opposed on 14-07-1993 from the class of Shareholders specified in clause (d) of sub-section 1 of section 7 of warehousing Corporations Act, 1962 to fill in the vacancy arising with effect from 11th August, 1993 is notified as under :—

Class of Shareholders	Name & Address of the Director
Scheduled Banks other than State Bank of India	Sh. K. M. Narayanan, General Manager, Indian Overseas Bank, Central Office, Post Box No. 3765 762, Anna Salai, Madras-600 002.

M. DAS GUPTA
Secretary

The 14th July 1993

With reference to the notice appeared in various News Papers on or before 15-6-1993 for Election Meeting of the Shareholding Institutions under Section 7 (1) (d) of the Warehousing Corporations Act, 1962. It is hereby notified that the meeting convened for the election of director to fill the vacancy representing the above class of Shareholding Institutions on Wednesday 4th August, 1993 at 3 PM at New Delhi in the Board Room of the Head Office of the Central Warehousing Corporation, 4/1 Siri Institutional Area, Khel Gaon Marg, New Delhi-110016 has been cancelled as only one nomination in favour of Sh. K. M. Narayanan, General Manager, Indian Overseas Bank, Madras, in respect of the class of above mentioned shareholding Institutions has been received and that, nomination on scrutiny by the Chairman on 14-7-1993 having been found valid, he has been declared as duly elected and unopposed.

The Election, Sh. K. M. Narayanan, Director by Shareholding Institutions of scheduled Banks other than the State Bank of India, Under Section 7 (1) (d) of the Warehousing Corporations Act, 1962 is for a period of two years w.e.f. 11-8-1993, whose details are indicated below.

Sh. K. M. Narayanan,
General Manager,
Indian Overseas Bank,
Central Office,
Post Box No. 3765
762, Anna Salai,
Madras-600002.

M. DAS GUPTA
Secretary

**MINISTRY OF LABOUR
OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND
COMMISSIONER**

New Delhi-110001, the 3rd August 1993

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/1/2624.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Region Coimbatore

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	No. & date of the Govt.'s Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry	Period for exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Shree Arunachaleswarar Mills Arooncraft House, Venkatesa Mills P.O. 642128 Udamatbet Taluk, Coimbatore	TN/6919	Z/1959/DLI/Exem/89/Pt. I Dated 21-9-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	Z/3091/90/DLI
2.	M/s. South India Steel Industries, 110/1, B, Nattamangalam, Main Road, P. Box No. 207, Salem-636002.	TN/7429	Do. Dt. 3-5-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	Z/3434/91/DLI
3.	M/s. Salem Steel Plant (Steel Authority of India Ltd., SA-150, Railway West Colony, Salem.	TN/7694	Do. Dated 21-8-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/95/78/DLI
4.	M/s. Madras Oxygen & Acetylene Co. Ltd., Thekkupalayam (Post) Perianaken Palayam, Coimbatore-20	TN/7945	Do. Dated 26-2-90	30-9-90	1-10-90 30-9-93	Z/3116/90/DLI
5.	The Southern India Mills Association, Post Box No. 3783, Race Co. Course, Coimbatore-641018.	TN/7997	Do. Dated 26-10-89	30-9-89	1-10-89 30-9-92	Z/1723/88/DLI
6.	M/s. Eli Rubber Products Ltd., 1988 Trichy Road, Singanathur Coimbatore-641005.	TN/8483	Z/1959/DLI/Exem/89/Pt. I Dated 26-10-89	31-10-90	1-11-90 30-10-93	Z/1987/89/DLI
7.	Gandhi Ashram Tiruchauyodu Gandhi Ashram, P. O. Salem, Distt. Pin Code 637201 Tamil Nadu.	TN/10177	Do. Dated 21-5-90	5-5-92	6-5-92 5-5-95	Z/890/83/DLI
8.	M/s. Venkatesa Spinners(P) Ltd. Pethappampatti-638205 Edumalpet Taluk Coimbatore Distt.	TN/10247	Do. Dated 30-6-92	30-11-90	1-12-90 30-11-93	Z/4046,90/DLI
9.	M/s. Sri Rani Mills(P) Ltd., 2/38, Chinniampalayam, Coimbatore-641062	TN/11102	Z/1959/DLI/Exem/89/Pt. I Dated 19-1-90	3-4-92	4-4-92 3-4-95	Z/1428/86/DLI
10.	M/s. M. Ramu Brother (Electricals) P.B. No. 3731, 10,224, Avanashi Road, Coimbatore-641018 (and its Branches in Madurai)	TN/11223	Do. Dated 26-10-89	31-12-90	1-1-91 31-12-93	2/1962/87/DLI
11.	M/s. Coimbatore Popular Spinning Mills (P) Ltd., Trichy Main Road, Pongalur Post, Tiruppur Taluk, Coimbatore Distt.	TN/12461	Do. Dated 28-5-92	31-10-90	1-11-90 31-10-93	Z/4142/82/DLI
12.	M/s. UMS Services Ltd., 316, Gopal Bagh, Avanashi Road, Coimbatore-641018.	TN/16387	Do. Dated 28-5-90	30-4-91	1-5-91 30-4-94	Z/2680/90/DLI
13.	M/s. Allied Piping Products(I) Pvt. Ltd., Plot No. 31, Sipcot Industrial Complex Ltd., Hosur-635126.	TN/16642	Do. Dated 2-1-1991	31-12-89	1-1-90 31-12-90	Z/3302/90/DLI
14.	M/s. The Mettupalayam Co-op. Stores Ltd., Main Road, Mettupalayam-641301.	TN/16911	Do. Dated 26-2-1990	31-8-90	1-9-90 31-8-93	Z/1842/88/DLI
15.	M/s. The Coimbatore Nilgiris Automobiles Spare Parts Co-op. Stores Ltd. No. K. 1748, P. Box No. 6, Main Road, Mettupalayam-641301 (alongwith its other branches under the same Code No.).	TN/17249	SS-35014 (53, 85, SS-IV Dated 25-3-85)	24-3-88	25-3-88 24-3-91	Z/1184/85/DLI 25-3-91 24-3-94

I	2	3	4	5	6	7
16.	M/s. Premier Polytronics Ltd., Boy Trichy Road, Coimbatore-641005 having Branches at Madras, Ahmedabad, Bombay, Calcutta and Delhi.	TN/17467	Z/1959/DLI/Exemption/89 Dated 26-10-89	31-7-90	1-8-90 31-7-93	Z/1838/88/DLI
17.	M/s. Dynaspede Integrated System (P) Ltd., 136-A- sippot Industrial Complex Hosur-635126	TN/17801	Do. Dated 26-7-1989	30-6-90	1-7-90 30-6-93	Z/1989/DLI/89
18-	M/s. Elgi Tyres & Tread Ltd., 2000, Trichy Road, Singandlur Coimbatore-641005.	TN/21256	Do. Dated 26-10-89	30-9-90	1-10-90 30-9-93	Z/1988/89/DLI
19.	M/s. Rasakondalu Engneering, 2/22, Sengalipalayam, N.C.G.O. Colony Post, Coimbatore.	TN/21262	Do. Dated 28-2-90	31-5-92	1-6-92 31-5-95	Z/3361/91/DLI
20.	M/s. Sreyas Engineering Works, 2/278, Sengalipalayam, N.C.G.O. Colony, Coimbatore-641022	TN/21263	Do. Dated 2-3-1990	31-5-92	1-6-92 31-5-95	Z/3375/91/DLI
21.	M/s. Rugmini Ram Rayiliv Spinners Pvt. Ltd., (R.R.R. Spinners) Chandralok, 33-40, Ponniahkay Puram Coimbatore-641001.	TN/21320	Do. Dated 16-2-1991	28-2-90	1-3-90 28-2-93	Z/3319/90/DLI
22.	M/s. Veejay Syntex (P) Ltd., 8, A.T.T. Colony, Coimbatore-641018.	TN/21341	Do. Dated 21-11-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	Z/3260/90/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

KAMPTEE CANTONMENT BOARD

Kamptee, the 7th July 1993

S. R. O. 53/7/C/DB/89.—Whereas the Board published the proposal for revision of consolidated property tax within the limit of Kamptee Cantonment vide notice No. CBK/Revision of Tax/3005/D-127, dated the 29th April, 1992 as required by Section 61 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924).

And whereas the Board gave notice of its intention to revise the tax after the expiry of a period of thirty days from the date of the publication of notice published and made available to the public on the 29th April, 1992;

And Whereas, all the objections and suggestions received within the aforesaid period from the public on the said draft have been duly considered by the Board;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 60 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) and in supersession of the notification No. SRO 53/7/C/L&C/87 dated the 16th February, 1985, the Cantonment Board, Kamptee with the previous sanction of the Central Government, hereby imposes consolidated property tax on all buildings and lands situated within the limits of Kamptee Cantonment at the rate of 23 per cent per annum of the annual rental value of such properties.

DHARAM PAL
Cantt. Executive Officer,
Kamptee
(File No. CHK/Tax/93)

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 16th June 1993

No. UT/DBDM/2131A/SPD 62/92-93.—The Amendments to the Provisions of the Institutional Investors' Special Fund Unit Scheme approved by the Executive Committee in the Meeting held on 6th April 1993 are Published herebelow

ANNEXURE

AMENDMENTS TO INSTITUTIONAL INVESTORS' SPECIAL FUND UNIT SCHEME

Sub clause (2) of Clause IV on "Application for Units" shall be amended as :

"Every application for purchase of units shall be for a minimum of 2.5 lac units i.e. Rs. 2.5 lacs and thereafter in multiples of fifty thousand units i.e. Rs. 5 lacs with no maximum limit."

Also there shall be amendments to the following clauses :

- (1) Para 2 of Clause V (A) on "Transfer of investments from other Schemes" shall be amended as follows : "The conversion will be for a minimum of fifty thousand units and in multiples of fifty thousand units thereafter. The balance amount not in multiples of fifty thousand units will be refunded to the unitholders."
- (2) In Sub clause 4 (ii) of Clause IV on "Application for Units" multiples of 1 lac units (subject to a minimum of 10 lac units) shall be substituted by multiples of fifty thousand units (subject to a minimum of 2.5 lac units).
- (3) "Multiple of 1 lac units" appearing in line 8 of Clause VI (1) (i) and also appearing in lines 5 & 10 of Clause VI (2), on "Repurchase of Units" may be replaced by "multiple of fifty thousand units".
- (4) "Multiples of 1 lac units" appearing at the end of the Form of Application for repurchase of Units shall also be replaced by "Multiples of fifty thousand units".

Bombay, the 16th June 1993

No. UT/DRDM/2131A/SPD 51 etc/92-93.—The Amendments to the Provisions of the Reinvestment Plan 1966.

Childrens' Gift Plan 1970, Rajlakshmi Unit Scheme, Omni Unit Scheme 1991 and Omni Unit Plan 1991 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 19th April 1993 are Published herebelow.

ANNEXURE

AMENDMENTS TO RAJLAKSHMI UNIT SCHEME

(1) In the Definitions given under Clause 11 of the provisions of the scheme the following shall be added as :

(a) Item (el) : "alternate child" means a girl child other than the child in whose favour the units have been issued and as referred to in Clause IV 3(iv) of this Scheme;

(b) Item (fl) : Eligible institution means an eligible trust as defined under the Unit Trust of India General Regulation 1964 and includes private trusts created by an instrument in writing and being irrevocable or a Charitable or Religious Trust or endowment or Registered Society which is administered, controlled or supervised by or under the provisions of Central or State Enactment which is for the time being in force (Excluding Cooperative Societies).

(2) The following shall be included as sub-clause 3 (vi) in clause IV on "Application for units" :

"An applicant desirous of participation in the scheme may, at the time of making the application or at any time during the period the child participates in the scheme, indicate in the application that in the event of the child dying within the stipulated lock-in period another girl child mentioned in this behalf in the application, and not more than 5 years of age at the time of making the application, shall be entitled to all the rights of the first mentioned child. On the death of the first mentioned child within the stipulated lock-in period the provisions of the scheme shall apply as if the surviving second mentioned child had been the only child mentioned in the application.

(3) Clause XXI of the provision of the scheme on "Death of unitholder" shall be replaced by the following :

(i) In the event of death of the child in whose favour units have been issued, before the completion of the stipulated lock-in period, Trust shall pursuant to what has been stated in Clause IV 3(vi) herein, recognise the alternate child if any as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units issued in favour of the child.

(ii) In the event of the death of the child, the alternate child shall continue in the scheme upto the completion of the lock-in period provided however the applicant furnishes to the Trust all the necessary particulars incidental thereto and as may be called for by the Trust to enable the alternate child to continue in the Scheme.

(iii) In the event of the death of the child during the stipulated lock in period and where no alternate child has been named the executor or administrators of the deceased child or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act (39 of 1925) shall be the only person/s who will be recognised by the Trust as having any title to the units.

(iv) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of the child may upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the amount due after all the formalities in connection with the claim have been completed with by the claimant.

(v) In the event of the simultaneous death of the child and the alternate child where one has been named, the legal heirs of the deceased child alone will have a right to claim for the units standing to the credit of the deceased child. The legal heirs of the alternate child can stake no claim whatsoever.

(vi) Eligible institutions, a Company, a Body Corporate, Central/State Government shall be required to execute a Trust deed or other appropriate document setting apart money for investment in the scheme and constituting office bearer/s of institutions or the individuals as Trustees. The Trust Deed inter alia may provide that :

- (a) The money invested in the scheme should be received by the girl on completion of the stipulated lock-in period and that in the event of the death of the child before the maturity of the investment the same should become payable to the institution and the institution should be entitled to receive the same.
- (b) During the stipulated lock-in period institution will not be in any position to claim the amount. The amount will be paid to the child after maturity.
- (c) Also in case of the death of the child during the stipulated lock-in period, the amount may be paid to the institutions, or they may be given the option to nominate an alternate girl child if such a nomination has not been made at the time of making the application. Under these circumstances the maturity amount will be paid to the alternate child.

AMENDMENTS TO OMNI UNIT SCHEME—1991

The 1st para of Clause XVII on "Income Distribution" of the Provisions of the Scheme shall be amended as follows:

"The Trust shall pay the dividend at rate on par with the then prevailing Bank rate applicable for term deposits of 46 days to 1 year duration."

In sub-clause (6) of Clause IV of the provision of Omni Unit Scheme the following para shall be included:

"However, in respect of Monthly Income Schemes the minimum investment shall be 200 units for the cumulative option and 500 units for the monthly income option."

AMENDMENTS TO OMNI UNIT PLAN—1991

In Clause 2 of the Omni Unit Plan the following para shall be included:

"However, in respect of Monthly Income Schemes the minimum investment shall be 200 units for the cumulative option and 500 units for the monthly income option."

AMENDMENTS TO REINVESTMENT PLAN—1966

Para 16 of the Reinvestment Plan shall be amended as:

"The sale price of units under US '84 allotted to a unit-holder in pursuance of this Plan shall be at a price which will be less than 2.5% of special offer price fixed for the sale of units under the US '64 for the beginning of the month of July of the new accounting year or at the Rights/Preferential Offer issue price or such other price as may be determined by the Trust for the month of July each year. The lowest price will be rounded off to the nearest multiples of 5 paise and will be effective from July, 1993".

AMENDMENTS CHILDREN'S GIFT PLAN—1970

Paragraph 12 of the provisions of Children's Gift Plan, 1970 shall be substituted by the following paragraph:

"The entire amount of income distribution shall be deemed to have been applied towards purchase of units including the fractional units. The sale price of units under Unit Scheme, 1964 allotted to a unit-holder in pursuance of this plan shall be at a price which will be less than 2.5% of the special offer price fixed for the sale of Units under the Unit Scheme, 1964 for the beginning of the month of July of the new accounting year or at the Rights/Preferential Offer issue price or such other price as may be determined by the Trust for the month of July each year. The lowest price will be rounded off to the nearest multiples of 5 paise and will be effective from July, 1993".

Bombay, the 16th June 1993

No. UT/DBDM/2131A/SPD 51 etc. 92-93.—The Amendments to the Provisions of the Unit Scheme 1964, Reinvestment Plan, 1966, Children's Gift Plan, 1970, Rajlakshmi Unit Scheme, and Children's Gift Growth Fund Unit Scheme, 1986 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 31st May, 1993 are published herebelow:

ANNEXURE

AMENDMENTS TO UNIT SCHEME—1964

A new Clause 22B shall be inserted in the provisions of Unit Scheme, 1964.

"The Trust may offer units for subscription to such of the unitholders at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be stipulated by the Trust for the purpose."

Likewise the Trust may offer income distribution to such of the unitholders at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be decided by the Trust for the purpose."

AMENDMENTS TO CHILDREN'S GIFT PLAN—1970

A new Clause 11A shall be inserted in the provisions of Children's Gift Plan, 1970:

"The Trust may offer units for subscription to such of the members at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be stipulated by the Trust for the purpose."

Likewise the Trust may offer income distribution to such of the members as may be applicable at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be decided by the Trust for the purpose."

AMENDMENT TO REINVESTMENT PLAN—1966

A new Clause 17A shall be inserted in the provisions of Reinvestment Plan, 1966 as given below:

"The Trust may offer units for subscription to such of the members at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be stipulated by the Trust for the purpose."

Likewise the Trust may offer income distribution to such of the members at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be decided by the Trust for the purpose."

AMENDMENTS TO CHILDREN'S GIFT GROWTH FUND UNIT SCHEME—1986

A new Sub-clause 19(f) shall be included as:

Sub-clause 19(f)

A Company, a Body Corporate, Registered Society or an eligible Trust shall be required to execute a Trust Deed or other appropriate document setting apart money for investment in the scheme and constituting office bearer/s of institutions or the individuals as Trustees. The Trust Deed inter alia shall provide that :

- (a) The money invested in the scheme should be received by the child on attaining the age of 21 years and that in the event of the death of the child before the maturity of the investment and in the absence of an alternate child the same should become payable to the institution and the institution would be entitled to receive the same.
- (b) In the event of the death of the first named child before the maturity of the investment, the institution may be given an option to name an alternate child, if no such alternate child has already been named. Under these circumstances, the investment after maturity will be paid to the alternate child.
- (c) In the event of the death of both the first named child and the alternate child, the Institutions and not the legal heir/s of the child/alternate child shall be entitled to receive the amount payable by the Trust.
- (d) During the lock-in period, institution will not be in any position to claim the amount. The amount will be paid to the child after maturity.

Amendments to Rajlakshmi Unit Scheme

(1) Clause IV on "Application for units" shall be amended as:

"Applications for units shall be made by any Adult Indian Individual Resident or non-Resident, a Company, a Body Corporate, Registered Society, an eligible Trust, Central/State Government or a Court appointed guardian desirous of participating in favour of the female child not exceeding five years of age on the date of application in the form prescribed by the Unit Trust of India. Non-residents may invest on repatriable or non repatriable basis depending on the source of investment and on the residential status of the donee/legal heir(s).

In case of an applicant who is an Adult Non-resident Indian being Indian Nationals or persons of Indian origin the donee child can be a Non-resident or Resident. The alternate child can also be either a Non-resident or a Resident."

(2) The following shall be added as a new Sub-clause (iiiia) to Clause IV :

"The payment for the units applied for by a Non-resident Indian Adult shall be made by him alongwith the application by debit to a Non-resident (ordinary)/Non-resident (external)/Foreign Currency Non-resident A/c kept in India in the name of the purchaser with an authorised dealer in foreign exchange in India or by way of remittance in foreign currency through normal banking channels. The application may also be tendered at the office of the Trust with a Rupco Cheque/Draft. Payments in Nepalese and Bhutanese currencies are not acceptable.

(3) The following shall be added to Sub-clause (vi) of clause IV :

In respect of a Non-resident Indian applicant the Unit Certificate bearing the child's name may be sent to the address given in the application or to the address of the applicant's bank in India which is an authorised dealer or the bank in the applicant's Country of permanent/present residence.

(4) The following shall be added to Clause XXIII on "Income Distribution":

"In case of a Non-resident child, the cumulative amount can be remitted in foreign exchange after the completion of the lock-in period, provided the original units were purchased by remittance from abroad or from a Non-resident (External)/FCNR A/c and the donee child continues to be resident abroad. If the units were purchased from a Non-resident (Ordinary) account, the cumulative amount will be credited to a Non-resident (Ordinary) A/c in the name of the child with a bank in India being an authorised dealer in foreign exchange. In the case of a resident child, the cumulative amount will be paid to her in Rupees.

(5) The following shall be added to Clause XXIX on "Benefits to the Unitholders":

"The benefits available/Facilities provided to Non-resident/Resident Donee in respect of applications made by a Non-resident Adult individual shall be as per the Foreign Exchange Regulations as are applicable from time to time."

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 18th August 1993

No. UT/DBDM/393A/SPD 60/93-94.—The Provisions of the Senior Citizens' Unit Plan formulated under Section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963 and the Senior Citizens Unit Scheme made under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 6th April 1993 and amended in the Executive Committee Meeting held on 13th May 1993 are published herebelow.

Provisions of Senior Citizens' Unit Plan

In exercise of the powers conferred by Section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act 1963, the Board of Trustees of the Unit Trust of India hereby makes the following Plan : The Plan shall be called "Senior Citizens Unit Plan" and shall come into force on [3rd May, 1993].

The Plan shall be applicable to units issued under the Senior Citizens Unit Scheme and/or under any other scheme which the Trust may make hereafter and to which it may make the Plan applicable.

Objectives

At present there is no medical security system in the country to protect individuals against hospitalisation expenses especially after superannuation. Considering the Senior citizens' need for medical care and protection against expensive hospitalisation facilities, the Trust now launches the Senior Citizens' Unit Plan formulated in accordance with the Senior Citizens Unit Scheme. The primary objective of the Plan is to help individuals build up savings in order to enjoy assured medical and hospitalisation benefits for their spouse and themselves when they become senior citizens.

(1) Eligibility for Participation

Application for units can be made only by Resident individuals in the age group of 21-55 on Single basis (i.e. joint applications are not allowed), though the benefits are available to both the member and the spouse. During the initial special offer period individuals upto the age of 60 years shall be allowed.

(1)[During this period, if, the member has completed 55 years of age at the time of joining the Plan, then the spouse shall not be above the age of 60 years].¹

The applicant as defined under the scheme is hereinafter referred to as "member".

(2) Offer for Sale of Units

The units under the Plan will be initially on sale from (2) 3rd May to 25th June 1993 and the further offer for sale shall be between 1st January and 31st March every year or any three month period as may be decided by the Trust from time to time. The face value of each unit shall be Ten Rupees. Investments under the Plan shall be for a multiple of (*) [10] units subject to the stipulated minimum number of units which varies depending on the age of the member at the time of joining the Plan or such other minimum number of units as may be stipulated in this behalf. An investor aged 21 years will be required to invest a minimum of Rs. 2,500/-, an investor aged 55 will be required to invest a minimum of Rs. 38,000/- and for a person joining at the age of 60 years during the initial offer period it could be Rs. 34,200/- for acquiring a medical insurance cover of Rs. 5 lakhs.

The minimum investment made by the member as mentioned in the table (given under the scheme) according to the age of member at the entry point will be in such a way that the member and the spouse will be entitled for the medical insurance cover upto a maximum of Rs. 5 lakhs.

(3) Payment

The payment for the units applied for shall be made by an applicant alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheques and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office of the Trust at which the application is tendered, is situated and be crossed A/c. Payee only. If the payment is made by cheque the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the instrument is received by the Trust. If payment is made by draft, the acceptance date will subject to such draft being realised be the date on which the draft is issued provided the application is received by the office of the Trust within a reasonable time.

(1) Substituted for 19th April, 1993.

(2) Inserted on 13-05-1993.

(3) Substituted for "19th April 1993 to 31st May 1993" on 13-5-93.

(4) Substituted for "100" on 13-05-1993.

(b) A suitable acknowledgement or receipt will be issued by the Trust on acceptance of the application form.

(c) The Trust shall as soon as possible, advise each member of his admission into the Plan alongwith his membership no. In all his correspondance with the Trust, a member shall quote his membership number.

(d) A membership certificate shall be issued to a member with respect to units acquired under the Plan.

(4) Withdrawl from membership

Every unitholding account will be required to be kept for a minimum period of one year for all those members who join the Plan before 55 years of age. After the Lock-in Period of 1 year from the date of application till the end of 3 years, a member may withdraw from the plan and he will be reimbursed his contribution less 5% for administrative and other costs. After the completion of 3 years, a member may withdraw anytime and will be paid an amount equal to the subscription amount compounded at 10% per annum after making adjustments for insurance premia paid, if any. This rate of appreciation may however, be revised every two years. The amount payable will be till the close of the previous quarter of the Calendar year preceding the date of submission of application for withdrawal to the Trust. There is no such repurchase facility to the members joining after the age of 55 years during the special offer period.

There will be no repurchase/withdrawl in the month of June when the Register of Members is closed for the purpose of accounts.

(5) Death Claims

(1) In the event of the death of the member the spouse whose name has been registered with the Trust shall be allowed to continue in the Plan with his/her share of coverage or withdraw from the plan.

(2) In case of death of the member who has not furnished details of the spouse and in the case of the death of both the member and the spouse, the nominee shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the membership certificate/s without any further proof.

(3) In the absence of a valid nomination by a member who has not furnished details of the spouse the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.

(4) Any person becoming entitled to a unit/s consequent upon the death or bankruptcy of a member may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be considered to get his name registered in the Register as member.

(5) In the event of death of the member anytime during the lock-in period of 1 year after joining the plan the Trust shall repay the claimant his contribution less 5% for administrative and other costs.

(6) In the event of death of the member and the spouse after the age of 55 years and before the commencement of the benefit period, the claimant—nominee/legal heir will be paid the subscription amount along with the applicable capital appreciation of the fund for each year till death adjusted for insurance premium paid by the Trust.

(7) In the event of death of both the member and the spouse after the commencement of the benefit period, (i.e. after 58 years of age) the legal heir/nominee will be paid the sum equal to the terminal benefits as referred to under clause XXII (2) of the Scheme and no further premia in respect of the said policy will be paid.

(8) For all deaths that take place after the commencement of premia no refund of premium shall be given.

(9) In case of death of the member, if there had been a change in the spouse and the same has not been communicated to the Trust, the legal heir/nominee can withdraw the investment under the plan. The new spouse will not be entitled for medical insurance cover under the plan.

(6) Nomination

Members may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the regulations.

(7) Transfer

Units issued in the scheme and the Plan made thereunder shall not be transferable or pledgeable.

(8) Additions and amendments to the Plan

The Board may, from time to time add to or otherwise amend this Plan and any amendment thereof will be notified in the official Gazette.

(9) Termination of the Plan

The Plan shall stand finally terminated at the discretion of the Trust. In the event of termination of the Plan no new entrants shall be allowed to join the plan after the specified date of termination. The outstanding units of the Members whose names are entered in the Register on the date to the specified shall be repurchased at such a rate as may be decided by the Trust. The Members shall be paid the amount due as early as possible, after the membership certificate/s with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The Membership Certificate received for repurchase shall be retained by the trust for cancellation. When the Trust decides to terminate the Plan, it will be binding on the members and they shall have no right to persuade the Trust to continue the Plan.

(10) Plan to be binding on members

The terms of this Plan, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

(11) The Provisions of the Plan to be subject to the Provisions of the Scheme

The provisions of the Plan in respect of any units acquired or held under this Plan for acquisition of interest in units shall be read subject to the provisions of "Senior Citizens Unit Scheme".

(12) Copy of Plan to be made available

A copy of this Plan incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/- and may be supplied by the Trust to any person on application.

(13) Power to construe provisions

Should any doubt, arise as to the interpretation of any of the provisions of the Plan, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Plan, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Plan and such decision shall be final and conclusive.

(14) Relaxation/Variation/Modification of provisions

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Plan, relax, vary or modify any of the provisions of the Plan in case of any unitholder, or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

SENIOR CITIZENS UNIT SCHEME

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act 1953, the Board of Trustees of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme :

Objectives

At present there is no medical security system in the country to protect individuals against hospitalisation expenses especially after superannuation. Considering the senior citizens' need for medical care and protection against expensive hospitalisation facilities, the Trust now launches the Senior Citizens' Unit Scheme. The primary objective of the scheme

is to help individuals build up savings in order to enjoy assured medical and hospitalisation benefits for their spouse and themselves when they become senior citizens.

1. Short title and commencement

(1) This scheme shall be an open ended one and shall be called "Senior Citizens' Unit Scheme" (SCUS).

(2) It shall come into force on the [3rd day of May 1993].^{1]}

(3) The units under the Scheme will be initially on sale from [3rd May 1993 to 25th June 1993]. Subsequently the Trust shall keep sales open between 1st January and 31st March every year or any three month period as may be decided by the Trust from time to time. (Provided that the Chairman or the Executive Trustee may suspend/extend the sale of units under the scheme at any time during this period by giving one week's notice in such newspapers as may be decided).

II. Definitions

In this Scheme, unless the context otherwise requires—(a) the "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;

(b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or withdrawal of units means the day on which the Trust after being satisfied that such application is in order, accepts the same;

(c) "any one illness" will be deemed to mean continuous period of illness and it includes relapse within 45 days from the date of last consultation with the Doctor/Hospital/Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution occurrence of some illness after a lapse of 45 days as stated above will be considered as new illness;

(d) [Hospital/Nursing Home/Medical Research Centre/ Any Other Similar Institution shall be deemed to mean any institution in India established for indoor care and treatment of sickness and injuries and which has been registered either as a hospital or Nursing Home or Medical Research Centre or as Any other similar Institution with the local authorities and is under the supervision of a registered and qualified doctor.

The term "Hospital" shall not include an establishment which is a place of rest, a place for the aged, a place for drug addicts, a place of alcoholics, a hotel or a similar place. In case Hospital/Nursing Home/Medical Research Centre/ Any other similar Institution is not registered with the local authority, the minimum requirements to be complied with will be as under :

- (1) It should have atleast 10 outpatient beds;
- (2) fully equipped nursing staff in its employment round the clock;
- (3) fully equipped operation theatre of its own.
- (4) A medical practitioner should be in charge round the clock.]

(e) "Medical practitioner" means a person who holds a degree/diploma of a recognised institution and is registered by a Medical Council of respective state of India.

1. Substituted for "19th day of April, 1993" on 13-5-1993.

2. Substituted for "19th April, 1993 to 31st May, 1993" on 13-5-1993.

3. Modified on 13-5-93 to include Medical Research Centre/ Any other similar Institution.

(f) "number of units in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding;

(g) "Qualified Nurse" means a person who holds a Certificate/Diploma of a recognized Nursing Council and who is employed on recommendation of the attending Medical Practitioner.

(h) "recognised stock exchange" means a stock exchange which is, for the time being recognised under the Securities Contractors Regulation Act, 1956 (42 of 1956);

(i) "Medical Insurance Cover" means and includes the medical benefits as would be available under the scheme and the Plan made thereunder by way of hospitalisation payable to the Member and the Spouse for an amount not exceeding Rs. 5 lakhs (Rupees Five Lacs Only).

(j) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act;

(k) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the Unit Capital.

(l) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

III. Face Value of each Unit

The face value of each unit shall be Ten Rupees.

IV. Application for Units

Application for units can be made only by Resident individuals in the age group of 21—55, on single basis (applications will not be allowed on joint basis) though the benefits could be both for member and the spouse. During the initial offer period individuals upto the age of 60 will be allowed.

(1) [During this period, if, the member has completed 55 years of age at the time of joining the Plan, then the spouse shall not be above the age of 60 years].

Applications shall be made in such form/s as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

V. Minimum amount of investment :

Applications shall be for a multiple of (2)[10] units subject to the stipulated minimum number of units which varies depending on the age of the applicant at the time of joining the scheme or such other minimum number of units as may be stipulated in behalf. An investor aged 21 years will be required to invest a minimum of Rs. 2,500/- and an investor aged 55 will be required to invest a minimum of Rs. 38,000/- for acquiring a medical insurance cover of Rs. 5 lakhs. For a person joining at the age of 60 years during the initial special offer period it could be Rs. 34,200/- The minimum amount to be invested (as per given table) may vary depending upon the rate of growth of the fund and the review of the amount of premium, if any, during the period of subsequent sale and shall be announced at the appropriate time.

1. Inserted on 13-5-1993.

2. Substituted for 100 units on 13-5-1993.

MINIMUM AMOUNT REQUIRED UNDER SCUS-93

Age	Minimum Amount	Age	Minimum Amount	Age	Minimum Amount
21	2500	34	5800	47	13400
22	2500	35	6300	48	20300
23	2500	36	6900	49	22300
24	2600	37	7500	50	24500
25	2800	38	8200	51	26700
26	3000	39	9000	52	29000
27	3300	40	9800	53	32000
28	3600	41	10600	54	35000
29	3900	42	11700	55	38000
30	4200	43	12800	56	30300
31	4500	44	14000	57	31100
32	4900	45	15300	58	32000
33	530	46	16700	59	33000
				60	34200

Assumptions for the above table :

(i) Premia grows @ 5% upto the age of 51 years and @0% thereafter (20% hike up after 4th year).

(ii) Investment grows (age groupwise) as under :

‘21 to 30—14%; 31 to 40—14.5%; 41 to 45—15%; 46 to 50—15.5%; and 51 to 55—16%.

iii) Premia paid in four instalments of Rs. 5,625/- and three instalments of Rs. 4,975/- (discounted at 13%).

(iv) The rate of premia is for both member and spouse.

(v) Upto the age of 55, the minimum amount consists of 1.5 times the premia amount for giving annuity. Above 55 years, only the premia is included.

vi) The amounts have been rounded off to the nearest 100.

The minimum amount of investment as mentioned above will cover the hospitalisation medical benefits payable for both the member and spouse. Any investment above the minimum amount specified will not entitle the investor for any additional medical insurance cover but would increase the amount of annuity or terminal benefits. There is no limit on maximum amount of investment. Multiple memberships shall not be allowed.

The payment for the units applied for shall be made by an applicant alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheques and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office of the Trust at which the application is tendered, is situated and be crossed A/c Payee only.

If the payment is made by cheque the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the instrument is received by the Trust. If payment is made by draft, the acceptance date will subject to such draft being realised be the date on which the draft is issued provided the application is received by the office of the Trust within a reasonable time. If the amount tendered by way of payment for the units applied for, is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the Scheme subject to the minimum units and the balance amount due to him shall be refunded to him at his cost in such manner as the Trust may deem fit. If any application is incomplete or tendered by an applicant not eligible for investments in the scheme, the application will be rejected and the amount refunded without any interest.

I. Submission of particulars of spouse :

Those members who are having spouse at the time of joining the scheme may give the details about their spouse in the application form itself. Any change in this regard should be communicated to the Trust immediately alongwith necessary legal documents, in such case the new spouse shall be eligible for Medical Insurance Cover. Those members who are not married at the time of joining the plan may submit particulars about the spouse immediately after marriage. After completion of 34 years but before completion of 35 years the Trust shall call for the details about the spouse including name, address, recent photograph and signature. The identity card will be issued based on the information given then. The member will have the option to confirm whether he/she still wants the spouse to be covered under the scheme at that time. If the details of the spouse are not furnished by the member, the benefits shall be deemed to be available only for the member and accordingly premia shall be paid to NIAC.

II. Sale of units :

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, send the applicant an acknowledgement thereof. As soon as possible thereafter, the Trust shall issue to the applicant one membership certificate representing the units sold to him. The membership certificate/s will be sent by registered post, with or "without acknowledgement due", to the address given by the applicant; and the Trust will not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the membership certificate, so sent.

III. Withdrawal from membership

There will be a minimum lock-in-period of 1 year for all those joining the scheme before the age of 55 years. After the lock-in-period of one year from the date of application till the end of third year, a member may withdraw from the scheme and he will be reimbursed his contribution less 5% for administrative and other costs. After completion of three years, a member may withdraw anytime and he will be paid an amount equal to the subscription amount compounded at 10% per annum after making adjustments for insurance premia paid, if any. This rate of appreciation may, however, be revised every two years. The amount payable will be till the close of the quarter of the calendar year preceding the date of submission of application for withdrawal to the Trust. There will be no such withdrawal facility to the members joining after the age of 55 years during the special offer period, however, after the payment of 7 instalments of premia, the sum equal to the terminal benefit may be withdrawn.

In the case of members joining the plan upto the age of 55 years, if the membership is withdrawn after the age of 58 years, (i.e. after payment of 4th instalment of premium) the medical insurance cover of Rs. 2.5 lakhs will continue to be available. Similarly, if they withdraw from the plan after the age of 61 years, medical insurance cover of Rs. 5 lakhs will be available.

For those joining the plan after the age of 55 years, the medical insurance cover of Rs. 5 lakhs will continue to be available even if they withdraw from the plan after 6 years of joining.

IX. Restrictions on sale and repurchase of units :

(1) Notwithstanding anything contained in any other provisions of this Scheme the Trust shall not be under an obligation to sell or repurchase units :—

- (i) On such days as are not working days; and
- (ii) During the period when the registers of members is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

Explanation : For the purpose of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either :—

- (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra; or
- (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the head office of the Trust will be closed.

(2)-(i) The contract for repurchase shall be deemed to have been concluded on the acceptance date.

(ii) Where an application by an applicant for repurchase of units has been accepted by the Trust, the Trust shall, as soon thereafter as possible, send the applicant an acknowledgement therefor.

(3) Payment for the units repurchased by the Trust shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in his application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant, and the cost of remittance or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

X. Sale or repurchase of units to be as on the acceptance date :

(1) Every sale or repurchase of units by the Trust shall be as on the acceptance date at the respective prices/rates prevailing on that date;

- (i) The price at which a unit will be sold by the Trust (hereinafter referred to as "the sale price")
- (ii) Units will be sold at par.

(2) Notwithstanding anything contained hereinabove when the Trust is satisfied that in the interest of the Trust, the members and of the continuance and growth of the scheme, it is necessary or expedient to do so, the Trust may determine the sale price or rate of repurchase/method of withdrawal of membership or both at a rate which may not necessarily be in accordance with the provisions given above and any such determination shall be deemed to be in the interest of the Trust and the members.

(1) [X]A Declaration and Reinvestment of Income

The Trust shall declare the rate of appreciation under the Plan in July every year which shall be reinvested into further units at par, however, the first such declaration shall be made only in July 1994. The appreciation will be on a pro-rata basis depending on the date of acceptance of the application. The premia payable to NIAC shall be paid out of this appreciation/original investment or both.

The rate of annuity shall be declared and paid in July every year once the member attains the stipulated age.]

XI. Valuation of assets pertaining to this Scheme

For the purposes of valuation of assets under the scheme assets shall be classified into (a) cash, (b) investments, (c) properties and (c) other assets.

(A) Valuation of Investments—

Investments shall be valued by taking;

(a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this scheme provided where a security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust;

(b) Where during the relevant period any investment was not dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be the fair value of such investment; and

Adding thereto :—

(c) In the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;

(d) In the case of Government securities and debentures, interest acquired but not received, and

(e) In the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend; any dividend declared but not received.

(B) Valuation of other assets—

Other assets of the Fund shall be valued at their book value or realizable value, whichever is less. In other words, if it comes to the notice of the Trust that there has been depreciation in the market value of other assets, it may take the market value as may be determined.

XII. Form of Membership certificate :

Membership Certificate shall be in such form as may be approved by the Chairman. Each Membership certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name/s of the member/s. Membership certificates shall also bear the date on which the lock-in period of one year expires.

XIII. Manner of preparation of Membership certificate :

The Membership Certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No membership certificate shall be valid unless and until it is so signed. Membership Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign membership certificates on behalf of the Trust. Provided that should the membership certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Membership Certificates so issued shall also be valid.

XI. Trust not to be recognised regarding Membership certificates

The person who is registered as a member and in whose name a membership certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the member and as having a right, title or interest in or to such membership certificate and the units which it represents; and the Trust may recognise such member as the absolute owner

thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction affecting the title to any membership certificate or the units thereby represented.

XV. Exchange of Membership Certificates and procedure when the certificate is mutilated, defaced, lost etc.:

(1) In case any membership certificate shall be mutilated or worn or defaced, the Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new membership certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced membership certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new certificate in lieu thereof no such new certificate shall be issued unless the applicant shall previously have

(i) Furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement loss, theft or destruction of the original membership certificate.

(ii) Paid all expenses in connection with the investigation of the facts, produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced membership certificate; and

(iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require. The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(2) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the membership certificate to pay a fee of Rs. 1/- per membership certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover any charges or other charges or taxes including postal registration charges as may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

XVI. Register of members:

The following provisions shall have effect with regard to the registration of members:

(1) A register of members shall be kept by the Trust at its Head Office and there shall be entered in the register:

- (a) the name and addresses of the members;
- (b) the distinctive number of the membership certificate and the number of units held by every such person; and
- (c) the date on which person became the holder of the units in his name;
- (d) expiry of lock in period of units i.e. the date from which they can be tendered for repurchase.

(2) Any change of name or address on the part of any member shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly.

(3) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any member without charge.

(4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 60 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspaper as the Board may direct.

(5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVII. Receipt by member to discharge Trust:

S-219GT/93

The receipt of the member for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate/s shall be a good discharge to the Trust.

XVIII. Death Claims:

(1) In the event of death of the member anytime, the surviving spouse whose name has been registered with the Trust shall be given the option to either continue in the Scheme with his/her share of coverage or withdraw from the scheme.

(2) In case of a member who has not furnished details of the spouse and in case of the death of both the member and the spouse, the nominee shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the membership certificate/s without any further proof.

(3) In the absence of a valid nomination by a member who has not furnished details of the spouse, the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.

(4) Any person becoming entitled to a unit/s consequent upon the death or bankruptcy of a member may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be considered to get his name registered in the Register as member.

(5) In the event of death of the member any time during the lock-in period of 1 year after joining the Scheme the Trust shall repay the claimant his contribution less 5% for administration and other costs.

(6) In the event of the death of the member and the spouse after the age of 55 years and before the commencement of the benefit period, the claimant nominee/legal heir will be paid the subscription amount along with the applicable capital appreciation of the fund for each year till death adjusted for insurance premium paid by the Trust.

(7) In the event of death of both the member and the spouse after the commencement of the benefit period, (i.e. after 58 years) the legal heir/nominee will be paid the sum equal to the terminal benefit referred to in Clause XXII(2) and no further premia in respect of the said policy will be paid.

(8) For all deaths that take place after the commencement of payment of premia no refund of premium shall be given.

(9) In case of death of the member, if there had been a change in the spouse and the same has not been communicated to the Trust, the legal heir/nominee can withdraw the investment under the scheme. The new spouse will not be entitled for medical insurance cover under the scheme.

(10) In the event of death of the member before the benefit cover period commences and the member does not have a spouse, the claimant will be paid the subscription amount along with the applicable capital appreciation of the fund for each year till death adjusted for insurance premium paid by the Trust.

For settlement of death claims (as indicated from Serial No. 1 to 10), the Trust may prescribe such forms, make such further rules from time to time as may be considered necessary.

XIX. Nomination by members:

Members may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the regulations.

XX. Transfer of units:

Units issued under the scheme shall not be transferable

or pledgeable.

XXI. Investment limits :

Investments by the Trust from the funds of the scheme of the securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies.

Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

The limits prescribed shall not apply to investments of the Trust in bonds, deposits and debentures of a company whether secured or not.

XXII. Annuity :

(1) For all those who join the scheme before the completion of 55 years of age, an annual return will be available after the completion of 58 years onwards to take care of some non-hospitalisation expenditures also.

Amount of annuity will depend on the appreciation of the fund under the scheme and will be more for persons joining the scheme at an earlier age. The calculations for appreciation will be made on an annual basis.

The following example indicates for three different investors who join the scheme at the age of 21, 40 and 55 years, the likely amount of annuity or terminal benefit :

Entry Age	Age from which annuity starts	Initial Investment (Rs.)	Principal Outstanding (Rs.)	Amount of Annuity (Rs. p.a.)
21	58	2,500	1,73,000	24,000
40	58	9,800	38,000	5,400
55	58	38,000	14,000	2,000

Assumptions :

(i) The premia as per the table prepared earlier is paid at the beginning of 55th year of age (i.e. on the 55th birthday).

(ii) The benefits are to start at the beginning of the 58th year of age.

(iii) The residual amount grows @ 14% for the remaining period.

(iv) The entire amount of growth (14%) will be paid out in the form of annuity. For those joining after 55 years (i.e. during special offer period) there will be no annuity.

(v) The principal outstanding to be returned to the member at his option.

(2) Should be member, however, prefer to withdraw total appreciation to his credit, he may withdraw this terminal benefit and forego annuities after the date of completion of 61 years of age.

Any balance units left to the credit of any such member after payment of premia may be withdrawn by the member at the terms of withdrawal as per Clause VIII.

XXIII. Tie-up with New India Assurance Company Limited (NIAC) for Medical Insurance :

The Trust shall make necessary arrangements with New India Assurance Company Limited (NIAC) to enable members under this scheme to avail of medical insurance for covering the hospitalisation benefits upto the prescribed limit.

The following are the details of the tie-up arrangements as made with NIAC :

(1) The Trust and the New India Assurance Company Ltd. will have an exclusive tie-up with selected hospitals in the country under a special medical policy under which all the members of the scheme will be entitled to receive medical treatment in the selected hospitals and the payment upto the prescribed limit will be settled by NIAC directly.

(2) [The Trust shall provide each member with an identity card containing details of the benefits available, limit of the medical insurance cover, recent photograph, name, date of birth and signature of the member and the spouse. The members will also be provided with a log book

which will be updated by the concerned hospital/nursing home/medical research centre/Any other similar Institution with the medical expenses incurred for every treatment undertaken.]

The hospitals with which UTI will have special arrangements will not require the member to make any payment subject to the maximum amount of the Medical Insurance cover less amount already enjoyed as shown in the card for hospitalisation medical treatment as covered in the items of the policy of NIAC. Payments subject to the balance available to the member shall be made by New India Assurance Co. Ltd. directly to the hospital within a period of 30 days from the date of claim by the hospitals. The hospitals will send the relevant bills to NIAC for reimbursement quoting details of the identity card and the expenses incurred for the treatment. UTI shall stand as guarantor for this. Expenditure in excess of the limit available (as indicated on the card) will have to be paid by the member directly to the hospital, also any payment in respect of treatment requiring hospitalisation for less than 24 hours will have to be paid directly by the member to the hospital.

When treatment such as dialysis, Chemotherapy, Radiotherapy [laser beam treatment and removal of kidney stone by lithotripsy method] are undertaken in the Hospital/ Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution and the insured is discharged within 24 hours, the treatment will be eligible for medical insurance cover.

NIAC shall not make any payment in respect of any expenses whatsoever incurred by the member in respect of:

(a) Injury or disease directly or indirectly caused by or arising from or attributable to War, Invasion, Act of Foreign Enemy, War like Operations (whether war be declared or not).

(b) Routine eye examination and cost of glasses and contact lenses.

(c) Dental treatment or surgery of any kind unless requiring hospitalisation.

¹ Substituted for "The member and spouse will be provided with a common identity card which would also include a log book for updating the medical expenses everytime a treatment is undertaken. The card will contain all necessary details like name, address, age, photograph, specimen signature of both the member and his/her spouse, scheme period, limit of the medical cover, etc." on 13-5-1993.

- (d) Convalescence, general debility, "Run-down" condition or rest cure, congenital external defects or anomalies, sterility, venereal disease, intentional self-injury, use of intoxicating drugs.
- (e) Charges incurred at Hospital or Nursing Home primarily for diagnostic X-Ray or laboratory examinations or other diagnostic studies not consistent with or incidental to the diagnosis and treatment of the positive existence or presence of any ailment sickness or injury, for which confinement is required at Hospital, Nursing Home.
- (f) Expenses on vitamins and tonics unless forming part of treatment for injury or disease as certified by the attending physician.
- (g) Injury or disease directly or indirectly caused by or contributed to by nuclear weapons.
- (h) Naturopathy Treatment.
- (i) [Any treatment relating to Acquired Immune Deficiency Syndrome (AIDS) and any condition relating thereto.]
- (j) [Pre and post hospitalisation expenses.]

NIAC has a right to authorise any medical practitioner to examine the member in case of any alleged injury or disease requiring Hospitalisation.

[The payment in respect of any claim which arise out of any fraudulent means or manner or supported by any fraudulent device whether by the member or any person acting on his behalf shall be paid by NIAC to the Hospital, Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution. However, NIAC shall be entitled to recover this amount from the Trust. Membership of such members shall stand terminated with immediate effect and he/she shall cease to receive any benefits of the Plan.] All claims shall be payable in Indian Currency.

(3) The abovementioned will be available in selected hospitals in 23 specified cities with which UTI will have special arrangements. The Trust will endeavour to expand the coverage under the Plan to cover all the cities/towns with the population of more than 5 lakhs by July, 1994.]

(4) The medical insurance benefits will be available for both member and spouse once the member completes the required age irrespective of the age of the spouse.

(5) The amount of medical insurance cover shall be limited to a maximum of Rs. 1.5 lakh per illness.

[The Memorandum of Understanding, with NIAC and the Tripartite Agreement with NIAC and the Hospitals/

1. Substituted for "AIDS or any disease caused by HIV" on 13-5-1993.
2. Inserted on 13-5-1993.
3. Substituted for "NIAC shall not be liable to make any payment in respect of any claim if such claim be in any manner fraudulent or supported by any fraudulent means or device whether by the member or by any other person acting on his behalf" on 13-5-1993
4. Substituted for "The Trust would endeavour to further extend the coverage to other cities and hospitals over a period of time" on 13-5-1993.
5. Substituted for "The memorandum of understanding for giving effect to the above arrangements (with NIAC and the Hospitals/Nursing Home) will be finalised on such terms, conditions and stipulations as may be decided by the Chairman or the ET" on 13-5-1993.

Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution will be finalised on such terms, conditions and stipulations as may be decided by the Chairman or ET.]

XXIV. Mode of payment of premium

For all the members joining the scheme before the age of 55 years the payment of premium commences immediately after completion of 55 years of age (i.e. on the 55th birthday) and for all those joining the scheme after the age of 55 years the premium payment shall commence in the first year itself.

The payment of premia will be such that about 60% of premia amount is paid before the commencement of risk. The member shall authorise the Trust to make payment of necessary premia to New India Assurance Co. by repurchase of required number of units or out of appreciation of the subscription amount or both.

XXV. The detailed schedule of payment of premia

The premium amount will be paid in 7 instalments to NIAC.

For those joining after 55 years of age i.e. for ages at entry 56, 57, 58, 59 & 60 years, three instalments of premia will be payable before the risk commences at the end of 2 years and the remaining four instalments of premia will be payable thereafter.

For those joining upto 55 years of age 4 instalments of premia will be payable before the risk commences, i.e. at ages 55, 56, 57 & 58 years and balance three after the risk commences at 59, 60 & 61 years of age.

XXVI. DRF contribution and other amenities

0.25% of funds mobilised under the scheme shall be kept aside as a contribution towards DRF.

Other direct/indirect facilities and amenities shall be provided to Senior Citizen members under the scheme and the grants and expenditure for the same may be made out of DRF.

XXVII. Review Clause

The premium rate and the amount of cover will be reviewed initially at the end of 3 years and at the end of every 2 years thereafter.

XXVIII. Publication of Accounts

The Trust shall, as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the scheme during the period ending on 30th June. The Trust shall, on request in writing received from a member, furnish him a copy of the accounts so published.

XXIX. Additions and amendments to scheme

The Board may, from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment thereof will be notified in the official Gazette.

XXX. Termination of the Scheme

The Scheme shall stand finally terminated at the discretion of the Trust. In the event of termination of the scheme no new entrants shall be allowed to join the scheme after the specified date of termination. The outstanding units of the members whose names are entered in the Register on the date to be specified shall be repurchased at such a rate as may be decided by the Trust. The members shall be paid the amount due as early as possible, after the membership certificate/s with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The Membership Certificate received for repurchase shall be retained by the trust for cancellation. When the Trust decides to terminate the Scheme, it will be binding on the members and they shall have no right to persuade the Trust to continue the Scheme.

XXXI. Scheme to be binding on members

The terms of this scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

XXXII. Suspension or closure of sales

Sale of units under this scheme may be suspended or closed by the Trust at any time after giving notice of seven days in important daily newspapers of its intention to do so.

XXXIII. Copy of Scheme to be made available

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/-.

XXXIV. Benefits to the members

All benefits accruing under the Scheme in respect of capital reserves and surpluses, if any, available at the time of the closure of the scheme shall be distributable only among the members who hold the units at its closure and whose names are entered in the Register of Members.

XXXV. Power to construe provisions

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and such decision shall be final and conclusive.

XXXVI. Relaxation/Variation/Modification of provisions

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any member, or class of members upon such conditions as may be deemed expedient.

FORM A

**UNIT TRUST OF INDIA
SENIOR CITIZENS' UNIT PLAN-1993
MEMBERSHIP CERTIFICATE**

This is to certify that person named in this Certificate is a member of Senior Citizens' Unit Plan-1993 and is the Registered Holder of within mentioned Units each of the face of value of Rupees Ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the regulations framed thereunder and the Senior Citizens' Unit Plan-1993 (SCUP-93) formulated under Senior Citizens' Unit Scheme-1993.

NOT TRANSFERABLE

Membership

Certificate No.

No. of Units (Face value of Rs. 10/- per Unit)

Name of the Member

For UNIT TRUST OF INDIA

BOMBAY

DATE :

Executive Trustee

Chairman

*** Medical insurance benefits under the Plan**

For those joining the Plan before the age of 55 years:

Members joining the Plan before the age of 55 will be entitled for a medical benefits cover of Rs. 2.5 lakh from the age of 58 years. This benefit is available either for the member or for both the member and spouse. After the age of 61 years, he/they will be eligible for a cover of Rs. 5 lakhs after adjusting for any claims made earlier.

***For those joining the Plan after the age of 55 years**

Those members joining the Plan after the age of 55 years along with their spouse, will be eligible for a medical benefit cover of Rs. 2.5 lakh after two years of joining the Plan and the limit will be increased to Rs. 5 lakhs (after adjusting for any claims made earlier) after 6 years.

***Annuity**

The members who join the Plan before the age of 55 years shall get an annual return after they attain the age of 58 years at the rate to be declared by the Trust. For those joining the Plan after the age of 55 years, there may be no such annual return.

There will be a limit of Rs. 1.50 lakhs per illness per spouse.

NOTE :

Application for withdrawal of Membership is enclosed.

FORM OF WITHDRAWAL OF MEMBERSHIP

DATE _____

To

The Unit Trust of India

I, _____ am the registered holder of _____ units of the Unit Trust of India under Senior Citizens' Unit Plan and am desirous of withdrawing from the Plan. Accordingly, I offer the same for repurchase by the Unit Trust at the rate existing on the Acceptance Day in respect of this application.

The price of the units may be paid to me by *cheque/bank draft at my cost and may be sent by registered post at my cost to me at the address given below.

Signature of member _____

Signature of witness _____

Occupation :

Address :

For the use of the office

Acceptance Date _____

*Delete words not applicable.